www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, गुरूवार
23 जुलाई 2026
वर्ष: 49
अंक: 84 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

सीजेपी बोली-बात करना है तो सरकार जंतर-मंतर आए

दिल्ली के 16 मेट्रो स्टेशन बंद, बंगाल से 2 हजार जवान बुलाए गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के बीच सरकार ने दूसरी बार बातचीत की पेशकश की है। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि जेपी नड्डा उनसे बात करना चाहते हैं और उन्हें उनके आवास पर बुलाया था लेकिन पार्टी ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। उधर, सुरक्षा के कारणों से दिल्ली के 16 मेट्रो स्टेशन बंद कर दिए गए है। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन का आज 33वां दिन है। यहां बुधवार सुबह से हजारों प्रदर्शनकारी जुटे हैं। इनमें 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान पुलिस की लाठियों, आंसू गैस के गोलों का शिकार

हुए लोग भी पहुंचे हैं। इधर दिल्ली पुलिस ने संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा पर अलग-अलग थानों में 10 एफआईआर दर्ज की है। प्रदर्शनकारियों पर जवानों पर जानलेवा हमला, पथराव, तोड़फोड़ और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप हैं। सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह मंगलवार देर रात गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में सोनम वांगचुक से मिले। वांगचुक 28 जून से अनशन पर हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देश पर उन्हें मंगलवार को सफदरजंग अस्पताल से मेदांता में भर्ती कराया गया है।

अडानी को मिलेगी एयरलाइन शुरू करने की इजाजत!

इंडिगो और एयर इंडिया का दबदबा तोड़ने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार एयरपोर्ट ऑपरेटर्स को एयरलाइन शुरू करने की अनुमति दे सकती है। इससे अडानी ग्रुप और जीएमआर एयरपोर्ट्स के एयरलाइन सेक्टर में उतरने का रास्ता साफ हो सकता है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस बारे में पॉलिसी में बदलाव करने पर विचार कर रही है। एयरलाइन सेक्टर में अभी इंडिगो और एयर इंडिया का दबदबा है जिसे सरकार तोड़ना चाहती है। इंडिगो की भारतीय बाजार में हिस्सेदारी 66.3

फीसदी पहुंच चुकी है। मौजूदा नियमों के तहत एयरपोर्ट ऑपरेटर किसी भी एयरलाइन में 10 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी नहीं रख सकते। लेकिन अब इसे बदला जा सकता है। सूत्रों का कहना है कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय में इस पर विचार-विमर्श चल रहा है। किसी भी छूट के लिए कानून मंत्रालय और कैबिनेट की मंजूरी की जरूरत होगी। ओनरशिप से जुड़ी पाबंदियों में ढील मिलने से अडानी ग्रुप और जीएमआर एयरपोर्ट्स को एयरलाइन का मालिक बनने की इजाजत मिल जाएगी। अडानी ग्रुप अभी मुंबई एयरपोर्ट और सात अन्य एयरपोर्ट चलाता है।

कश्मीर में आतंकी हमला

हेडकॉन्स्टेबल की मौत

● अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा में तैनात थे, द रेजिस्टेंस फ्रंट ने जिम्मेदारी ली

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर स्थित अनंतनाग जिले के लाल चौक इलाके में बुधवार को आतंकियों ने हमला किया। इसमें हेड कॉन्स्टेबल (35 साल) की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक दोपहर करीब 12.30 बजे आतंकियों ने अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर अचानक फायरिंग की। सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद दोनों तरफ से गोलियां चलीं। इस दौरान हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी जख्मी हो गए। उन्हें तुरंत सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हमले के बाद आतंकी भाग गए। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने हमले की जिम्मेदारी ली है। जिस जगह फायरिंग हुई, वह शहर का मुख्य बाजार है।

सभी रास्तों पर नाकेबंदी, आतंकियों की तलाश तेज

घटना के तुरंत बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे लाल चौक और आसपास के इलाके की घेराबंदी कर दी। अतिरिक्त सुरक्षा बल मौके पर भेजे गए और आतंकियों की तलाश में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। इलाके में आने-जाने वाले सभी रास्तों पर नाकेबंदी कर वाहनों और लोगों की गहन जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि हमले में कितने आतंकी शामिल थे और फायरिंग के बाद वे किस दिशा में भागे। अधिकारियों ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि गोलीबारी बुधवार को दोपहर करीब 12.30 बजे अनंतनाग के लाल चौक पर हुई। उन्होंने बताया कि अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात हवलदार आशिक हुसैन हमले में घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई।

पूर्व अग्निवीरों को सीएपीएफ में मिलेगा 50 फीसदी आरक्षण

● असम राइफल्स में भी मौका देने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि

पूर्व अग्निवीरों को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और असम राइफल्स में कॉन्स्टेबल (जनरल ड्यूटी) और राइफलमैन के पदों पर 50 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। एक लिखित सवाल के जवाब में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि सरकार ने इन पदों के लिए पूर्व-अग्निवीर नाम की एक नई कैटेगरी बनाई है। इसमें 50 प्रतिशत वैकेंसी का प्रावधान है, तय अधिकतम उम्र सीमा में तीन साल की छूट है और पूर्व-अग्निवीरों के पहले बैच के उम्मीदवारों के लिए तय उम्र सीमा से पांच साल की अतिरिक्त छूट है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि सीएपीएफ कॉन्स्टेबल (जनरल ड्यूटी) और राइफलमैन पदों के लिए अप्लाई करने वाले पूर्व-अग्निवीरों को फिजिकल स्टैंडर्ड टेस्ट में छूट रहेगी।

गृह मंत्रालय ने नियमों में किया बदलाव

गृह मंत्रालय ने दिसंबर 2025 में एक नोटिफिकेशन जारी करके बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स, जनरल ड्यूटी कैडर (नॉन-गजेटेड) भर्ती नियम, 2015 में बदलाव किया था। इसके तहत कॉन्स्टेबल (जनरल ड्यूटी) के पदों पर पूर्व-अग्निवीरों के लिए कोटा 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया। नोटिफिकेशन में कहा गया था, सीधी भर्ती (50 प्रतिशत सहित) के जरिए हर भर्ती वर्ष में पूर्व-अग्निवीरों के लिए वैकेंसी रिजर्व की जाएंगी।

धर्मेन्द्र प्रधान इस्तीफा दें, उसके बाद चर्चा करेंगे

● राज्यसभा में खड़गे ने रखी अपनी बात, मोदी सरकार को घेरा ● राहुल गांधी समेत कांग्रेस सांसद काले कपड़े पहनकर पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के दौरान बुधवार को विपक्ष ने कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थकों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर हंगामा किया। हंगामे के बीच लोकसभा को गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। उधर राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि, वे सदन में नीट पेपर लीक मामले में चर्चा तभी चाहते हैं जब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दे दें। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने लोकसभा में कहा कि सरकार पिछले तीन दिनों से लगातार नीट पेपर लीक के मुद्दे पर चर्चा की पेशकश कर रही है। लेकिन विपक्ष मुद्दे पर राजनीति कर रहा है। राहुल गांधी समेत अन्य विपक्षी सांसद बुधवार को काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे। विपक्षी पार्टियां 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान छात्रों पर पुलिस कार्रवाई, पेपर लीक का विरोध कर रही हैं।

विपक्ष युवाओं को राजनीतिक हथियार न बनाए: राजनाथ

राजनाथ सिंह ने कहा- दिल्ली में जारी विरोध-प्रदर्शन गंभीर चिंता का विषय हैं। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश के छात्रों और युवाओं को कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए एक राजनीतिक औजार के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास कर रहे हैं। हमारे छात्रों की हर चिंता को सुनना और उसका समाधान करना हमारी जिम्मेदारी है।मुझे पूर्ण विश्वास है कि भारत के जागरूक, परिपक्व और विवेकशील युवा ऐसे भ्रामक प्रयासों को भली-भांति समझते हैं और वे प्रगति, विकास तथा राष्ट्रनिर्माण के मार्ग को ही चुनेंगे।

'कॉकरोचों' पर लाठीचार्ज, सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी समर्थकों पर हुए लाठीचार्ज के खिलाफ दायर याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया है। बुधवार को एक वकील ने सीजेआई की अगुआई वाली 3 जजों की बेंच के

सामने जनहित याचिका लगाई थी। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'हमें वीडियो देखने में कोई रुचि नहीं है। हमारे पास उन्हें देखने का समय नहीं है।' जब वकील ने छात्रों के साथ मारपीट के वीडियो देखने का दूसरी बार अनुरोध किया तो सीजेआई ने कहा, 'हमारा और अपना समय बर्बाद मत कीजिए।' बता दें कि 15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा था, कुछ बेरोजगार युवा कॉकरोच जैसे होते हैं, जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला करने लगते हैं।

पटना में उग्र हुए छात्र, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

● बनारस में कांग्रेसियों को उठाया, भोपाल में विधायकों ने काली पट्टी बांधी

पटना (एजेंसी)। नीट पेपर लीक के विरोध में दिल्ली के बाद देशभर में प्रदर्शन शुरू हो गए है। बुधवार को पटना पुलिस ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज किया। जवाब में भाजपा ने भी मोर्चा खोल दिया है। जबकि, यूपी के बनारस में प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों को पुलिस उठाकर ले गई। इधर, मध्य प्रदेश में विधानसभा से लेकर सड़कों तक विरोध देखने को मिला। कांग्रेस के विधायक काली पट्टी बांधकर विधानसभा

पहुंचे। उधर, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकभवन का घेराव किया। यूपी में लखनऊ समेत कई शहरों में सपा कार्यकर्ताओं ने पेपर लीक और दिल्ली में प्रदर्शनकारियों के साथ पुलिस की मारपीट के खिलाफ प्रदर्शन किया। यूपी के ही नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद दिल्ली में 40 घंटे से धरने पर बैठे हुए हैं।

'छात्रों पर कार्रवाई न करने का भरोसा दे सरकार, खत्म कर दूंगा अनशन', सोनम वांगचुक ने मेदांता अस्पताल से लिखी चिट्ठी

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने मोदी सरकार को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा है कि अगर छात्रों पर कार्रवाई न करने का भरोसा मिले तो अपना अनशन खत्म करने को तैयार हूं। सोनम वांगचुक ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह के नाम चिट्ठी लिखी है।

'पिछले एक दशक में 152 पेपर लीक हुए', राहुल गांधी बोले- शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग जायज

नईदिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी और विपक्ष के तमाम नेताओं के सड़क पर उतरने की वजह से दिल्ली का सियासी माहौल बेहद गर्म है। सीजेपी के कार्यकर्ता शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़े हुए हैं। जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के तमाम समर्थक जुटे हुए हैं। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह ने मंगलवार रात को सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से मुलाकात की। वांगचुक को मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंगलवार रात को महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी सीजेपी के प्रदर्शन में पहुंचे। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत तमाम बड़े नेता प्रधानमंत्री आवास के करीब धरने पर बैठ गए। इसे बीजेपी ने राजनीतिक तमाशा बताया है। राहुल और कांग्रेस के तमाम नेताओं के सड़क पर उतरने की वजह से नई दिल्ली का सियासी माहौल बेहद गर्म है। इसके साथ ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी छात्रों के समर्थन में उतरे। देर रात दिल्ली पुलिस ने तमाम बड़े नेताओं को हिरासत में लेकर बाद में रिहा कर दिया। जंतर-मंतर पर जुटे छात्र और आम लोगों का कहना है कि जब तक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नहीं हो जाता वे जंतर-मंतर से नहीं हटेंगे।

दिल्ली में मचने वाला है बवाल?

नई दिल्ली, राजधानी दिल्ली में लगातार भड़क रहे विरोध-प्रदर्शनों और संसद के मानसून सत्र के बीच एक बड़ी हलचल मच गई है। दिल्ली में किसी भी संभावित खतरे को टालने और सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए केंद्र सरकार ने रातों-रात एक बड़ा कदम उठाया है। गृह मंत्रालय के सीधे आदेश पर पश्चिम बंगाल से भारी-भरकम सुरक्षाबलों को तुरंत दिल्ली बुलाया जा रहा है। हिंसक झड़पों की आशंका और बिगड़ते हालात को देखते हुए अचानक लिए गए इस फैसले ने राजधानी में सरगर्मी काफी तेज कर दी है। नीट पेपर लीक मामले, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और 'कॉकरोच जनता पार्टी के लगातार हो रहे उग्र विरोध-प्रदर्शनों ने दिल्ली पुलिस की नींद उड़ा दी है। हाल ही में कई जगहों पर हुई हिंसक झड़पों के बाद गृह मंत्रालय एक्शन मोड में आ गया है।

देहरादून में लोक संवर्धन पर्व का आगाज

देशभर के कारीगरों को मिला राष्ट्रीय मंच: किरेन रिजिजू

देहरादूनः भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय और उत्तराखंड सरकार के उत्तराखंड अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ विकास निगम के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को देहरादून के परेड ग्राउंड में छठे ह्यलोक संवर्धन पर्व का भव्य शुभारंभ हुआ। पांच दिवसीय यह महोत्सव 15 जुलाई 2026 तक आम जनता के लिए खुला रहेगा।

महोत्सव का उद्घाटन केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री खजान दास, मंत्रालय एवं राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, देशभर से आए कारीगरों, बुनकरों, शिल्पकारों और उद्यमियों की उपस्थिति में किया। उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि लोक संवर्धन पर्व देशभर के कारीगरों, बुनकरों, शिल्पकारों और उद्यमियों को अपनी पारंपरिक कला, हस्तशिल्प और उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने

का उत्कृष्ट मंच प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन योजना के तहत पहली बार किसी राज्य सरकार ने अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के साथ साझेदारी कर इस आयोजन की मेजबानी की है, जो उत्तराखंड के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है।

रिजिजू ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र सरकार सबका साथ, सबका विकास के संकल्प के साथ बिना किसी भेदभाव के सभी नागरिकों के विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल अभियान को सफल बनाने के लिए स्थानीय उत्पाद खरीदने और देश के कारीगरों को प्रोत्साहित करने की अपील भी की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड के लिए पहली बार इस महोत्सव की मेजबानी करना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन राज्य के कारीगरों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के साथ-साथ नई पीढ़ी को भारत की समृद्ध कला एवं शिल्प परंपरा से जोड़ने का माध्यम बनेगा। मुख्यमंत्री ने हाउस ऑफ हिमालयाज और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी दी।

तेजः क्षमा धृतिः शौचमद्रोहो नातिमानिता।
भवन्ति संपदं दैवीमभिजातस्य भारत॥ (गीता 163)
श्रेष्ठ पुरूषों की उस शक्ति का नाम तेज है जिसके प्रभाव से उनके सामने विषयासक्त और हीन प्रकृति वाले मनुष्य भी प्रायः अन्यायाचरण से रूककर उनके कथनानुसार श्रेष्ठ कर्मो में प्रवृत हो जाते हैं।

प्रमुख लोकतंत्र सेनानी, गढ़वाल विश्व विद्यालय के संस्थापक, उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन के अग्रणी व जयन्त संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
(12 मार्च 1952-23 जुलाई 1981)
की 46वीं पुण्यतिथि पर
श्रद्धा के साथ हम सब आपका स्मरण करते हैं और आपके द्वारा दिखाई गई राह तथा आदर्शो पर चलने का संकल्प लेते हैं।
समस्त जयन्त परिवार

मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना' के द्वितीय चरण का सीएम ने किया शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित 'मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना' के द्वितीय चरण का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने योजना के द्वितीय चरण के अंतर्गत 212 नई महिला लाभार्थियों को प्रथम किश्त के रूप में 1 करोड़ 55 लाख 40 हजार रुपये तथा योजना के प्रथम चरण की 276 महिला लाभार्थियों को द्वितीय किश्त के रूप में 1 करोड़ 20 लाख 76 हजार 875 रुपये की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की। इस प्रकार कुल 488 महिला लाभार्थियों को 2 करोड़ 76 लाख 16 हजार 875 रुपये की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से प्रदान की गई। 'मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना' के प्रथम चरण में 10 फरवरी 2026 को 484 महिला लाभार्थियों को 03 करोड़ 45 लाख की सहायता राशि प्रदान की गई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी समाज और राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी मातृशक्ति होती है। जब महिलाएं सशक्त होती हैं तो परिवार, समाज और राष्ट्र भी सशक्त बनता है। उत्तराखण्ड की माताएं और बहनें परिवार की जिम्मेदारियों के साथ-साथ प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही हैं। राज्य सरकार का संकल्प प्रत्येक महिला को सम्मान, सुरक्षा, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का सशक्त आधार उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना का उद्देश्य एकल, निराश्रित, विधवा, परित्यक्ता एवं तलाकशुदा महिलाओं के साथ-साथ एसिड अटैक पीड़िताओं, अन्य आपराधिक घटनाओं से प्रभावित महिलाओं तथा ट्रांसजेंडर को स्वरोजगार के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि महिलाओं को सम्मान पूर्वक अपने पैरों पर खड़ा होने का अवसर प्रदान करना है। इस मौके पर महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती रेखा आर्या, सचिव महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास चन्द्रेश कुमार, निदेशक बंशीलाल राणा आदि मौजूद थे।

ग्रामीणों के साथ मारपीट का आरोपी फॉरेस्ट गार्ड गिरफ्तार

रामनगर। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व (सीटीआर) के ढेला रेंज में ग्रामीणों के साथ मारपीट के आरोपी फॉरेस्ट गार्ड को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपी को कोर्ट में पेश करने की तैयारी कर रही है। ढेला गांव निवासी शिव गिरि और वन गुर्जर नंदू जंगल किनारे जलौनी लकड़ी लेने गए थे। आरोप है कि इस दौरान ढेला रेंज में तैनात फॉरेस्ट गार्ड अवनीश कुमार और दो दैनिक कर्मी उन्हें वन चौकी ले आए जहां चालान करने के बाद उन्हें पीटने के साथ अभद्रता की गई। घटना के विरोध में सोमवार को बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने ढेला वन चौकी का घेराव कर प्रदर्शन किया था। इस दौरान एक युवक पेट्रोल की बोतल लेकर चौकी की छत पर चढ़ गया जिसे बाद में सुरक्षित उतारा गया। सोमवार को ही पुलिस ने आरोपी फॉरेस्ट कर्मी के खिलाफ पीड़ित की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली थी। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि आरोपी अवनीश कुमार को रामनगर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। बताया कि आरोपी को कोर्ट में पेश करने की तैयारी है।

उत्तराखण्ड में बनेगा संस्कृत आयोग, सरकार ने मांगे सुझाव

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : उत्तराखण्ड सरकार, राज्य में संस्कृत भाषा के संरक्षण, संवर्धन और आधुनिक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखण्ड संस्कृत आयोग के गठन की तैयारी कर रही है। आयोग के गठन को व्यापक और प्रभावी बनाने के लिए देशभर के संस्कृत विद्वानों, शिक्षकों, शोधार्थियों, विश्वविद्यालयों, गुरुकुलों, संस्कृत संस्थानों तथा संस्कृत प्रेमियों से सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं। इच्छुक व्यक्ति और संस्थान 10 अगस्त 2026 तक ई-मेल के माध्यम से अपने सुझाव भेज सकते हैं। संस्कृत शिक्षा सचिव दीपक कुमार ने बताया कि उत्तराखण्ड ने वर्ष 2010 में संस्कृत को राज्य की द्वितीय राजभाषा का दर्जा देकर देश में नई पहल की थी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिसंबर 2025 में हरिद्वार में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन में संस्कृत के संरक्षण और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उच्चस्तरीय संस्कृत आयोग बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया था। इसी के बाद 15 जुलाई 2026 को सचिवालय में हुई उच्च स्तरीय बैठक में आयोग के गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। प्रस्तावित आयोग संस्कृत शिक्षा, शोध, प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण और डिजिटलीकरण, भारतीय ज्ञान परंपरा, वैदिक एवं शास्त्रीय अध्ययन, संस्कृत आधारित कौशल विकास और रोजगार, प्रशासन तथा तकनीकी क्षेत्रों में संस्कृत के उपयोग के साथ-साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल माध्यमों में संस्कृत की संभावनाओं पर भी कार्य करेगा। आयोग संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए दीर्घकालिक नीतियां और कार्ययोजनाएं तैयार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड की पहचान उसकी समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से है, जिसमें संस्कृत का विशेष स्थान है। संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की आधारशिला है।

2590 वर्ग मीटर की रजिस्ट्री, दाखिल-खारिज 3066 वर्ग मीटर का!

राजस्व रिकॉर्ड में गंभीर गड़बड़ियों का आरोप

देहरादून। भूमि विवाद मामले में हाईकोर्ट से राहत मिलने के बाद सामाजिक कार्यकर्ता एवं भूमि स्वामी सूरत सिंह नेगी ने प्रशासन, राजस्व विभाग और पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए पूरे प्रकरण की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि भूमि अभिलेखों में गंभीर विसंगतियां हैं और शिकायत समाप्त होने की सूचना दिए जाने के बावजूद उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। उत्तरांचल प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में नेगी ने कहा कि उनके खिलाफ दर्ज मुकदमा तथ्यों के विपरीत था और मामले में कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों की अनदेखी की गई। उनका दावा है कि न्यायालय के समक्ष वास्तविक तथ्य और अभिलेख प्रस्तुत होने के बाद उन्हें राहत मिली, जिससे पूरे प्रकरण में कई गंभीर सवाल खड़े हुए हैं।

भूमि रिकॉर्ड में गंभीर गड़बड़ियों का आरोप

सूरत सिंह नेगी ने आरोप लगाया कि भूमि रजिस्ट्री, दाखिल-खारिज और राजस्व अभिलेखों में गंभीर विसंगतियां मौजूद हैं। उनके अनुसार विनय खुराना के नाम 2590 वर्ग मीटर भूमि की रजिस्ट्री हुई, जबकि दाखिल-खारिज में 3066 वर्ग मीटर भूमि दर्ज कर दी गई। वहीं सुनयना खुराना द्वारा 2772 वर्ग मीटर भूमि की रजिस्ट्री कराई गई, लेकिन प्रारंभिक दाखिल-खारिज में उनके नाम केवल 2296 वर्ग मीटर भूमि दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि ये तथ्य दर्शाते हैं कि राजस्व रिकॉर्ड में गंभीर त्रुटियां हुई हैं, जिनकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। नेगी ने यह भी आरोप लगाया कि 21 फरवरी 2026 को सक्षम प्राधिकारी द्वारा पारित संशोधित आदेश के बावजूद राजस्व विभाग आज तक अभिलेखों में आवश्यक संशोधन नहीं कर पाया है।

शिकायत समाप्त होने के बाद भी दर्ज हुआ मुकदमा

नेगी ने दावा किया कि शिकायतकर्ता द्वारा 23 मई 2026 को पुलिस को लिखित रूप से विवाद समाप्त होने की सूचना दे दी गई थी। इसके बावजूद 10 जून 2026 को उनके और मोहित पंवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया गया।

नैनीताल में कूड़े के ढेरों से पर्यटकों का स्वागत

नैनीताल। अपनी खूबसूरती और प्राकृतिक नजारों के लिए प्रसिद्ध सरोवर नगरी में सफाई व्यवस्था बेपटरी होने से केड़ के ढेर पर्यटकों के स्वागत के लिए तैयार हैं।

सड़कों पर कूड़ा बिखरा पड़ा है। घर-घर से कूड़ा उठाने की व्यवस्था बेपटरी है। बजट होने के बावजूद न तो रीसाइक्लिंग प्लांट बन पाया है और न ही कोई डंपिंग ज़ोन। ऐसे में स्वच्छता सर्वेक्षण के नतीजों से पहले ही पालिका के तमाम दावों की पोल खुल गई है।

केंद्रीय शहरी विकास विभाग हर साल 11 मानकों (जैसे- घर-घर कूड़ा उठाव, बाजार और शौचालयों की सफाई) पर स्वच्छता का सर्वे कराता है। खूबसूरत पर्यटन स्थल होने के कारण नैनीताल से सफाई की ज्यादा उम्मीदें रहती हैं क्योंकि गंदगी से पूरे राज्य की छवि पर बुरा असर पड़ता है।

छात्रों पर पुलिस की ओर से लाठीचार्ज किए जाने के विरोध में कांग्रेसियों का हल्लाबोल

गोपेश्वर। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों पर पुलिस की ओर से लाठीचार्ज किए जाने के विरोध में चमोली जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने गोपेश्वर नगर के तिराहे पर प्रदर्शन कर धरना दिया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्रवाई का विरोध जताया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुरेश कुमार डिमरी ने शिक्षामंत्री और गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि छात्रों के खिलाफ की गई बर्बरतापूर्ण कार्रवाई का कांग्रेस पुरजोर विरोध करेगी। उन्होंने नीट परीक्षा में आत्महत्या करने वाले छात्र-छात्राओं को न्याय दिलाने की मांग भी की।

महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष ऊषा रावत ने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे छात्रों के साथ क्रूरता की गई। उन्होंने कहा कि आंदोलन को दबाने का प्रयास किया गया और महिलाओं के साथ भी दुर्व्यवहार किया गया। उन्होंने कहा कि छात्रों को न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा।

एक नजर

स्वास्थ्य मंत्री आवास के बाहर नर्सिंग अभ्यर्थियों का उग्र प्रदर्शन

देहरादून। उत्तराखंड में वर्षवार नर्सिंग भर्ती की मांग को लेकर चल रहा आंदोलन मंगलवार को उस समय गंभीर मोड़ पर पहुंच गया, जब स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल के सरकारी आवास के बाहर प्रदर्शन कर रही नर्सिंग एकता मंच की दो महिला अभ्यर्थियों ने कथित रूप से फिनाइल पीकर विरोध दर्ज कराया। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। पुलिस और प्रशासन ने तत्काल दोनों महिलाओं को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। उत्तराखंड नर्सिंग एकता मंच लंबे समय से वर्षवार नर्सिंग भर्ती लागू करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहा है। अभ्यर्थियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया में लगातार हो रही देरी और उनकी मांगों की अनदेखी से हजारों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। इसी मांग को लेकर वे लगातार धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। यह पहला मौका नहीं है जब नर्सिंग अभ्यर्थियों ने इस तरह का विरोध प्रदर्शन किया हो। इससे पहले भी अभ्यर्थी देहरादून के परेड ग्राउंड स्थित पानी की टंकी पर चढ़कर कई घंटों तक प्रदर्शन कर चुके हैं। उस समय शासन स्तर पर उनकी मांगों के समाधान का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अभ्यर्थियों का आरोप है कि अब तक उनकी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्री के आवास के बाहर प्रदर्शन के दौरान माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया। अभ्यर्थियों का कहना है कि बार-बार आश्वासन मिलने के बावजूद वर्षवार भर्ती पर कोई स्पष्ट निर्णय नहीं लिया गया। इसी से नाराज होकर दो महिला अभ्यर्थियों ने कथित रूप से फिनाइल पी लिया। घटना के बाद पुलिस और प्रशासन हरकत में आया तथा दोनों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलते ही महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला भी मौके पर पहुंचीं और आंदोलनरत अभ्यर्थियों का समर्थन किया। वहीं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

नियुक्ति के बाद भी बीडी पांडे अस्पताल नहीं पहुंचे बाल रोग विशेषज्ञ

नैनीताल। बीडी पांडे जिला अस्पताल में बाल रोग विशेषज्ञों की कमी के चलते स्वास्थ्य व्यवस्था प्रभावित हो रही है। अस्पताल में बाल रोग विशेषज्ञ के तीन पद स्वीकृत हैं लेकिन वर्तमान में केवल एक ही चिकित्सक के जिम्मे बाल रोग विभाग है। नियुक्ति के बाद भी अस्पताल में बाल रोग विशेषज्ञ नहीं पहुंचे हैं। बीडी पांडे जिला अस्पताल में लंबे समय से बाल रोग विशेषज्ञ के दो पद रिक्त हैं। बीते दिनों शासन से तबादलों के दौरान अस्पताल में एक बाल रोग विशेषज्ञों की नियुक्ति कर दी गई है लेकिन अब तक चिकित्सकों ने कार्यभार ग्रहण नहीं किया है। इसके चलते स्वीकृत पदों के सापेक्ष अस्पताल में पर्याप्त विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। प्रभारी पीएमएस डॉ. द्रौपदी गर्ब्याल ने बताया कि अभी बालरोग विशेषज्ञ या अन्य विशेषज्ञों ने कार्यभार ग्रहण नहीं किया है। एक सीनियर मेडिकल ऑफिसर ने अस्पताल में कार्यभार संभाला है।

नो हॉन जोन व्यवस्था के लिए कसी कमर

नैनीताल। नैनीताल की मॉल रोड पर एक अगस्त से वाहनों में हॉर्न बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध लागू हो जाएगा। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने इस संबंध में मंगलवार को अधिकारियों के साथ बैठक की। यह निर्णय उत्तराखंड उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में लिया गया है। नो हॉर्न जोन का उद्देश्य नैनीताल की यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और पर्यटक अनुकूल बनाना है। बैठक में जिलाधिकारी ने पुलिस, परिवहन, राजस्व, विकास प्राधिकरण और नगर पालिका की ओर से की जा रही तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने तल्लीताल डांठ से मल्लीताल रिक्शा स्टैंड तक हॉर्न निषेध क्षेत्र को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों को इसकी जानकारी देने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

परिवार के तीन सदस्यों की जान जाने से पसरा मातम

हल्द्वानी। बेटों की सलामती की आस में 65 वर्षीय सरस्वती देवी ने अपनी जान की परवाह किए बिना निर्माणाधीन पानी के टैंक में उतर गईं। उन्हें उम्मीद थी कि वह अपने लालों को मौत के मुंह से वापस ले आएंगी लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। टैंक में गैस की चपेट में आकर मां और उसके दोनों बेटों धर्मेंद्र और खुशाल की मौत हो गई। एक पल में हंसता-खेलता परिवार उजड़ गया और मानपुर गांव मातम में डूब गया।

धर्मेंद्र बिष्ट और उनके छोटे भाई खुशाल सिंह जब पानी के टैंक में उतरने के बाद बाहर नहीं आए तो परिवार की सांसें थमने लगीं। आवाज लगाई गई, इंतजार किया

गया लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। बाहर खड़े लोग हालात को समझने की कोशिश कर रहे थे। टैंक के भीतर खतरा था जिस कारण कोई भी मदद के लिए आगे आने की हिम्मत नहीं दिखा पाया।

इस बीच मां की ममता ने 65 साल की सरस्वती देवी को सोचने का मौका ही नहीं दिया। उन्होंने न अपनी उम्र देखी, न अपनी जिंदगी का डर। कांपते कदमों से वह टैंक की सीढ़ियों तक पहुंचीं और अपने बेटों धर्मेंद्र और खुशाल को बचाने के लिए नीचे उतर गईं। शायद उन्हें उम्मीद थी कि वह अपने बच्चों को वापस लेकर लौटेंगी ।

श्रद्धालु बोले...भगवान शिव के दर्शन कर धन्य हो गए हम

भीमताल (नैनीताल)। कैलाश मानसरोवर यात्रा का पहला दल मंगलवार को यात्रा पूरी कर भीमताल के पर्यटक आवास गृह पहुंचा। केमवीएन के अधिकारियों, कर्मचारियों और स्कूली बच्चों ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया। यात्रा में कुल 49 श्रद्धालु शामिल रहे। दिल्ली निवासी श्रद्धालु शिवदत्त जैमिनी ने कहा कि यात्रा कर वह धन्य हो गए। उन्होंने कहा कि केंद्र, राज्य सरकार और केएमवीएन की ओर से इंतजार बेहतर किए गए थे।

जयपुर की बीना मेड़तवाल ने कहा कि कैलाश मानसरोवर में भगवान शिव की परिक्रमा कर बहुत अच्छा लगा। दिल्ली की प्रीति सैनी ने कहा कि यात्रा करके भगवान शिव के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। यात्रा में 15 महिला और 34 पुरुष श्रद्धालु शामिल रहे। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक से 2- 2, दिल्ली 7, गुजरात, हरियाणा 3-3, झारखंड, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, उत्तराखंड से 1-1, महाराष्ट्र 9, राजस्थान 12 और उत्तर प्रदेश से पांच श्रद्धालु शामिल रहे।

कुमाऊं विश्वविद्यालय का नया बीकॉम फॉर्मूला

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के तहत कॉमर्स की पढ़ाई को रोजगारपरक और ग्लोबल स्टैंडर्ड पर अपग्रेड कर दिया है। विश्वविद्यालय ने तीन वर्षीय बीकॉम पाठ्यक्रम से ऑनर्स शब्द हटाकर इसे सीधे कॉर्पोरेट जगत की मांग से जोड़ दिया है। अब छात्रों को केवल सामान्य डिग्री नहीं, बल्कि बैंकिंग, टैक्स और अकाउंटिंग जैसे क्षेत्रों में स्पेशलाइज्ड डिग्री मिलेगी।

इस संशोधन के बाद अब डिग्री लेने वाले छात्रों को सामान्य कॉमर्स के बजाय उनके चुने गए कोर सेक्टर की विशेष उपाधि मिलेगी। छात्र अब बैंकिंग एंड फाइनेंस, टैक्स प्लानिंग एंड मैनेजमेंट व एकाउंटिंग एंड फाइनेंस जैसे चुनिंदा विशेषज्ञता क्षेत्रों में स्नातक कॉमर्स (बीकॉम स्पेशलाइज्ड) की डिग्री हासिल कर सकेंगे। वाणिज्य संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अतुल जोशी ने बताया कि एनईपी-2020 के नियमानुसार ऑनर्स की उपाधि केवल चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में ही दी जा सकती है जबकि यह कोर्स तीन वर्ष का है।

इसी विसंगति को दूर करते हुए छात्रों के हित में यह बड़ा सुधार किया गया है। विश्वविद्यालय के इस निर्णय से संबद्ध 11 कॉलेजों के करीब 1500 से अधिक छात्र सीधे लाभान्वित होंगे।

इस पाठ्यक्रम का डिजाइन सामान्य बीकॉम से बिल्कुल अलग है जहां छात्रों को पहले सेमेस्टर से ही अपनी पसंदीदा विशेषज्ञता चुनकर फोकस पढ़ाई करने का मौका मिलता है।

प्रो. अम्बरीश कुमार महाजन बने श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के नए कुलपति

ऋषिकेश। उत्तराखंड शासन ने श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के नए कुलपति के रूप में प्रो. अम्बरीश कुमार महाजन की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए हैं। शासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार यह नियुक्ति विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानों के तहत गठित चयन समिति की संस्तुति के आधार पर की गई है। श्री देव सुमन विवि के कुलपति प्रो. एनके जोशी का कार्यकाल बीते 11 अप्रैल को समाप्त हो गया था। बुधवार को लोकभवन से श्रीदेव सुमन विवि के कुलपति पद पर प्रो. अम्बरीश कुमार महाजन की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए हैं। लोकभवन से राज्यपाल ले. जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि प्रो. अम्बरीश कुमार महाजन का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष या 68 वर्ष की आयु पूर्ण होने, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगा।

आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ हैं प्रो. अंबरीश महाजन

श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के नव नियुक्त कुलपति प्रो. अंबरीश कुमार महाजन आपदा प्रबंधन और भूगर्भ विज्ञान के क्षेत्र के जाने-माने विशेषज्ञ हैं।

सेलाकुई में बड़ा हादसा: ट्रांसफॉर्मर लाइन पर काम कर रहे लाइनमैन की करंट लगने से मौत

सेलाकुई (देहरादून)। देहरादून जनपद के सेलाकुई नगर पंचायत क्षेत्र में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में ट्रांसफॉर्मर लाइन पर कार्य कर रहे एक लाइनमैन की करंट लगने से मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लाइनमैन ट्रांसफॉर्मर लाइन पर मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य कर रहा था। इसी दौरान अचानक लाइन में विद्युत प्रवाह आ गया और वह तेज करंट की चपेट में आ गया। करंट लगते ही वह गंभीर रूप से झुलस गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल बिजली आपूर्ति बंद कराने का प्रयास किया और घायल लाइनमैन को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने

उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और विद्युत विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी जुटाई। हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक तौर पर यह पता लगाया जा रहा है कि कार्य शुरू करने से पहले सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं तथा लाइन को पूरी तरह से बंद (शटडाउन) किया गया था या नहीं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन किया जाता और कार्य के दौरान समुचित सावधानी बरती जाती तो शायद इस हादसे को टाला जा सकता था। लोगों ने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को रोजगार और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस दुखद घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है। मृतक के परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे जाने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। वहीं, विद्युत विभाग ने भी मामले की विभागीय जांच कराने की बात कही है।

जाखन के साड़ी शोरूम में लाखों की चोरी का खुलासा

महिला समेत दो आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार

देहरादून। दून पुलिस ने राजपुर थाना क्षेत्र के जाखन स्थित एक साड़ी शोरूम में हुई लाखों रुपये की चोरी का सफल खुलासा करते हुए एक महिला समेत दो आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 3 लाख रुपये मूल्य की 5 सिल्क की साड़ियां, 2 लाख रुपये नकद तथा चोरी की वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, 26 जून को जाखन स्थित एक साड़ी शोरूम से महंगी सिल्क की साड़ियां और नकदी चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की।

जांच के दौरान घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, मुखबिर तंत्र और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे दिल्ली से देहरादून घूमने आए थे। इस दौरान उन्होंने राजपुर क्षेत्र में स्थित शोरूम की पहले रेकी की और मौका देखकर रात के समय शोरूम का ताला तोड़कर लाखों रुपये की साड़ियां और नकदी चोरी कर फरार हो गए।

लगातार की गई जांच और सटीक सूचना के आधार पर दून पुलिस ने दिल्ली में दबिश देकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी का अधिकांश सामान और नकदी बरामद कर ली है। दोनों आरोपियों के खिलाफ आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

दून पुलिस की इस कार्रवाई से एक बार फिर बड़ी चोरी की वारदात का पर्दाफाश हुआ है और चोरी गया अधिकांश सामान भी बरामद कर लिया गया है।

स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ेगा पर्यटन विभाग

नैनीताल। पर्यटन विभाग स्थानीय युवाओं और पंजीकृत गाइडों को पेशेवर बनाने के लिए जल्द प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है। जिला पर्यटन अधिकारी कीर्ति चंद्र आर्या ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य पर्यटन क्षेत्रों में आने वाले देसी-विदेशी पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाना और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा करना है। पर्यटन अधिकारी ने कहा कि अक्सर पर्यटकों को सटीक जानकारी न मिलने की शिकायतें आती हैं जिसे यह प्रशिक्षण दूर करेगा। कार्यक्रम के तहत गाइडों के व्यवहार और संचार कौशल को सुधारा जाएगा। युवाओं को ट्रेकिंग, पर्वतारोहण और नेचर गाइड के रूप में तैयार किया जाएगा ताकि वे साहसिक पर्यटन में विशेषज्ञ बन सकें।

संक्षिप्त समाचार

नालियां जाम, लोग परेशान, बीमारियां फैलने का बढ़ा खतरा

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : नगर पंचायत सतपुली क्षेत्र में नालियों में जमा गंदगी और ठहरे गंदे पानी ने स्थानीय लोगों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। लंबे समय से नालियों की उचित सफाई न होने के कारण हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं। जगह-जगह नालियां कचरे और गाद से भरी हुई हैं। इससे लोगों को बीमारियां फैलने का डर सताने लगा है। स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत से जल्द समस्या के समाधान की मांग की है। समाजसेवी कृपाल सिंह पंवार ने अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत सतपुली को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि नगर क्षेत्र के कई वार्डों में नालियां लंबे समय से जाम पड़ी हैं, जिससे गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। इससे आम लोगों को आवागमन में परेशानी होने के साथ ही संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। उन्होंने नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने, नालियों की तत्काल सफाई कराने, कूड़ा निस्तारण की समुचित व्यवस्था किए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो बरसात के मौसम में लोगों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। उन्होंने नगर पंचायत से जनहित को देखते हुए शीघ्र प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की है।

28 जुलाई को ऊखीमठ में लगेगा सरकार जनता के द्वार शिविर

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : सरकार की योजनाओं को सीधे जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से आगामी 28 जुलाई को विकासखंड ऊखीमठ में सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत जनसंवाद का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग ऊखीमठ आरपी नैथानी करेंगे।जानकारी देते हुए अधिशासी अभियंता आरपी नैथानी ने बताया कि यह बैठक 28 जुलाई को प्रातः 11 बजे से होगी। इसमें क्षेत्र के ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी जाएंगी। साथ ही केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को दी जाएगी, ताकि अधिक से अधिक लोग योजनाओं का लाभ ले सकें। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी-प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। इसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर ही जन समस्याओं का मौके पर निस्तारण करना है। अधिशासी अभियंता ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों से निर्धारित तिथि और समय पर उपस्थित होने की अपील की है, जिससे प्राप्त शिकायतों और समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके। प्रशासन ने क्षेत्रवासियों से अनुरोध किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपनी समस्याएं और सुझाव अधिकारियों के समक्ष रखें।

सामुदायिक मिलन केंद्र का ताला खोला जाएं

श्रीनगर गढ़वाल : पूर्व सैनिक सेवा कल्याण समिति श्रीकोट गंगानाली की बैठक में कारगिल शौर्य दिवस के संदर्भ में विचार विमर्श किया गया। इस मौके पर सामुदायिक मिलन केंद्र पर ताला तोड़कर दूसरा ताला जड़ दिए जाने पर पूर्व सैनिकों ने रोष जताया। कहा गया कि इस मामले में उप जिलाधिकारी व नगर आयुक्त को भी पत्र दिया गया था, लेकिन पत्र का कोई जवाब नहीं मिला। संगठन के अध्यक्ष दर्शन सिंह भंडारी ने कहा कि संगठन की ओर से 26 जुलाई को शौर्य दिवस मनाया जाना है, लेकिन उसके लिए उनके पास कोई जगह नहीं है। उन्होंने प्रशासन से सामुदायिक मिलन केंद्र खुलवाने की मांग की। कहा कि यदि ताला नहीं खुलता तो पूर्व सैनिक अपने स्तर से अग्रिम कार्रवाई करने के लिए मजबूर हो जाएंगे।

छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में सड़क पर उतरी कांग्रेस, किया पुतला दहन

कोटद्वार तहसील तिराहे पर केंद्र सरकार पुतला दहन करते कांग्रेसी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर में आक्रोश रैली निकाली। इस दौरान कांग्रेसियों ने केंद्र सरकार का पुतला दहन करते हुए शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग उठाई। पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय से तहसील तक आक्रोश रैली निकाली। इसके उपरांत उन्होंने तहसील तिराहे में पहुंचकर केंद्र सरकार का पुतला दहन किया। वक्ताओं ने कहा कि लगातार हो रहे पेपर लीक से लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है और कई छात्र मानसिक तनाव का शिकार हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन है। कांग्रेस ने पेपर लीक प्रकरण की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर सख्त कार्रवाई और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की। रैली के बाद कार्यकर्ताओं ने तहसील तिराहे पर केंद्र सरकार का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया। इस दौरान जिलाध्यक्ष मीना बछुवाण, गीता नेगी, संजय मित्तल, सूरज प्रसाद कांति, चंद्रमोहन खर्कवाल, हिमांशु बहुखंडी आदि मौजूद रहे।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, बीएमडब्ल्यू समेत लाखों का नुकसान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के गोविंदनगर स्थित एक दुग्ध डेरी में बुधवार सुबह शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग तेजी से फैलते हुए दुकान के बाहर खड़ी बीएमडब्ल्यू कार और ऊपर बने कमरों तक पहुंच गई। स्थानीय लोगों ने दमकल के पहुंचने से पहले ही आग पर काबू पा लिया।

दमकल विभाग के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। हादसे में डेरी में रखा फ्रीज, अन्य विद्युत उपकरण और सामान पूरी तरह जल गया, जबकि बीएमडब्ल्यू कार के इंजन सहित कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो गया। आग की लपटों से दो मंजिला भवन के कमरों में रखा सामान भी प्रभावित हुआ। दुकान स्वामी गोपाल उर्फ राजू ने बताया कि हादसे में करीब 15 से 16 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

रात में बंद रहेगा मसूरी–देहरादून मार्ग

देहरादून। अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त मसूरी–देहरादून मुख्य मार्ग पर मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद प्रशासन ने बुधवार से वाहनों की आवाजाही फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी है। हालांकि सुरक्षा के मद्देनजर रात 8 बजे से सुबह 6 बजे तक केवल अति आवश्यक वाहनों को ही मार्ग से गुजरने की अनुमति होगी।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी मौ0 सलीम पुत्र जमालुद्दीन निवासी वार्ड नं0-05, मदीना मस्जिद के पास, लकड़ीपड़ाव, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड। आई0डी0 आधारकार्ड संख्या- 2562 2167 3046 मोबाईल नम्बर-9634407786 द्वारा ग्राम पनियाली तल्ली, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड के खतौनी खाता संख्या-12 हाल खतौनी खाता सं0-13, के खसरा संख्या-31क मध्ये रकवा 765 वर्गफुट भूमि खरीद की गयी है उक्त सम्पत्ति मेरे द्वारा दीगर दीगर व्यक्तियों से समय-समय पर खरीद की गई है। उक्त सम्पत्तियों की चेनऑफ टाइटल के मध्य में एक दस्तावेज जो कि दौलतराम पुत्र शोभा द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र बही संख्या-1 जिल्द 22 के पृष्ठ 235/236 में दस्तावेज संख्या- 660 दिनांक 13-02-1994 को सब रजिस्ट्रार, कोटद्वार में पंजीकृत है। जिसको मौ0 यूसुफ पुत्र श्री जमालुद्दीन के नाम पर विक्रीत है। उक्त दस्तावेज मूल रूप में प्रार्थी से दिनांक 10-05-2026 को कोटद्वार बाजार में वास्तव में कहीं खो गया है व बहुत खोजबीन करने पर भी नहीं मिल पा रहा है। उपरोक्त सम्पत्ति पर उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक से ऋण लिया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी आम व खास को उक्त दस्तावेज के सम्बन्ध में किसी प्रकार की कोई आपत्ति है तो वह उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक शाखा, कुम्भीचौड़, कोटद्वार में लिखित रूप से 15 दिन के अन्दर आपत्ति दर्ज कर सकता है 15 दिन का समय व्यतीत होने पर उक्त सम्बन्ध में किसी भी आपत्ति पर कोई गौर नहीं किया जायेगा।

मौ0 सलीम पुत्र जमालुद्दीन निवासी वार्ड नं0-05, मदीना मस्जिद के पास, लकड़ीपड़ाव, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड। उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक, कुम्भीचौड़, कोटद्वार।

(0571/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र दीपक कुमार व उनकी पत्नी आरती देवी, तथा मेरे दो अन्य पुत्र रोहित कुमार व करण कुमार मेरा कहना-मानना नहीं मानते हैं और उनका व्यवहार मेरे, मेरी पत्नी (कृष्णा देवी) तथा मेरे छोटे भाई (रोशन लाल) के प्रति अत्यंत अभद्र, कष्टदायी एवं अवांछनीय है। अतः मैं अपने तीनों पुत्रों दीपक कुमार, रोहित कुमार, करण कुमार एवं बहु आरती देवी को अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्ति/जायदाद से तत्काल प्रभाव से बेदखल (पृथक) करता हूँ। भविष्य में इन सभी व्यक्तियों के किसी भी कार्य, लेनदेन, ऋण या आपराधिक/सामाजिक गतिविधियों से मेरा या मेरे परिवार के अन्य सदस्यों का कोई लेना-देना या दायित्व नहीं होगा। इनसे लेन-देन/व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा।

राजेश लाल पुत्र स्व. कमला लाल निवासी मौजा असगड़, पट्टी मणियारस्यूँ, तहसील पौड़ी, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड।

(0572/21)

जंगली जानवरों के बढ़ते आतंक पर उक्रांद ने जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) ने पर्वतीय क्षेत्रों में जंगली जानवरों के बढ़ते आतंक पर चिंता जताते हुए सरकार से प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। दल के संरक्षक डॉ. शक्तिशैल कपरवाण ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर कहा कि गुलदार, भालू समेत अन्य हिंसक वन्यजीव लगातार आबादी में घुसकर लोगों पर हमला कर रहे हैं, जिससे कई ग्रामीणों की जान जा चुकी है।

ज्ञापन में मांग की गई है कि आदमखोर और हिंसक वन्यजीवों को पकड़कर सुरक्षित स्थानों या पार्कों में रखा जाए, मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने के लिए ठोस नीति बनाई जाए तथा वन्यजीवों के हमले में मारे गए मवेशियों का मुआवजा 15 दिन के भीतर दिया जाए। इसके अलावा सूअर और बंदरों से फसल नुकसान की भरपाई, गांवों और स्कूलों के आसपास लैंटाना उन्मूलन अभियान तथा पर्वतीय किसानों को ग्रीन बोनस देने की भी मांग की गई है।

सरकारी और रेलवे की भूमि से हटाया अतिक्रमण, झोपड़ियां की ध्वस्त

गाड़ीघाट में रेलवे की भूमि से अतिक्रमण हटवाती टीम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : काशीरामपुर तल्ला और गाड़ीघाट क्षेत्र में सरकारी व रेलवे भूमि पर हुए अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई की। मंगलवार रात अभियान चलाकर अवैध रूप से बनाई गई झोपड़ियों को हटाया गया और कब्जाधारियों को दोबारा अतिक्रमण न करने की सख्त चेतावनी दी गई।

प्रशासन के अनुसार लंबे समय से कुछ लोग राजस्व और रेलवे की भूमि पर झोपड़ी बनाकर रह रहे थे। कई बार नोटिस और चेतावनी देने के बावजूद कब्जा नहीं हटाया गया। इसके बाद संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटवा दिया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि अभियान के दौरान कई बाहरी राज्यों के लोग अवैध रूप से रहते मिले, जिनके पास पहचान या निवास संबंधी दस्तावेज नहीं थे। ऐसे लोगों को क्षेत्र खाली करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि शहर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए सत्यापन अभियान भी तेज किया गया है, जिसके लिए पुलिस की विशेष टीम गठित की गई है।

श्री भैरवगढ़ी मंदिर परिसर में रोपे 100 पौधे, संरक्षण का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : श्री गुरु गोरखनाथ पर्यावरणीय संरक्षण एवम संवर्धन समिति कोटद्वार द्वारा पौराणिक श्री भैरवगढी मंदिर परिसर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बांज, देवदार, आंवला, बरगद, नीम, छितवन, सिल्वर, ओक, बांस सहित अन्य प्रजातियों के 100 पौधों का रोपण किया गया।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष आर.पी पंत की अध्यक्षता में गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए अशोक नेगी ने कहा कि वन प्राणिमात्र को जहां प्राणवायु आक्सीजन देते है वही दूसरी तरफ वन्यजीवो कों आवास, पक्षियों को घर तथा मनुष्यों को फल, फूल छाया एवं ईंधन भी उपलब्ध कराते है। यदि इनका संरक्षण नहीं किया गया भविष्य में भूस्खलन, प्राकृतिक जल स्त्रोतो में पानी की कमी, जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेगें। सतीश चंद्र शर्मा ने कहा कि आज विकास के युग में मानव द्वारा पर्यावरण को लापरवाही से प्रदूषित किया जा रहा है। बढ़ते पालीथीन के उपयोग से जगह-जगह प्लास्टिक का कचरा फेंका हुआ कहीं पर भी मिल मिल रहा है। जिसके उत्सर्जन से एक विषैली गैस निकलती है जो कि सीधे ओजोन परत को भेदने का कार्य करती है। साथ ही जमीन की उर्वरक क्षमता को भी भारी नुकसान पंहुचाती है। उन्होंने श्री भैरवगढी मंदिर समिति से आग्रह किया कि मंदिर परिसर एवं मार्ग में जगह-जगह कूड़ेदान रखे जाने चाहिए। गोष्ठी को संम्बोधित करते हुए समिति के अध्यक्ष आर.पी. पंत ने लोगों से अपील की कि माँ के नाम एक पेड़ जरूर लगाए और उसकी सुरक्षा का संकल्प लें। अपनी भावी पीढ़ी के अच्छे स्वास्थ्य और सुनहरे भविष्य के लिए पर्यावरण को साफ सुथरा बना कर रखे। इस अवसर पर प्रकाश हेमदान, सुनील नेगी, विनय रावत, उमेश सिंह नेगी, डी.आर. बौंठियाल, अनिल सिंह रावत, शैलेन्द्र कुमार, प्रेमप्रकाश मंजेडा, शान्ता कुमार, हिमांशु नौटियाल आदि मौजूद थे।

बाल श्रम के खिलाफ अभियान, दो नाबालिग रेस्क्यू

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बाल श्रम उन्मूलन अभियान के तहत जिला टास्क फोर्स समिति ने बुधवार को शहर के विभिन्न होटल, रेस्टोरेंट और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान दो अलग-अलग प्रतिष्ठानों में दो नाबालिग काम करते मिले, जिनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई। बदरीनाथ मार्ग, झंडाचौक, बस स्टेशन और तीलू रौतेली चौक क्षेत्र में चले अभियान के दौरान एक प्रतिष्ठान में 14 वर्ष से कम आयु का बालक कार्यरत मिला। टीम ने उसे तत्काल रेस्क्यू कर कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसके मामा के सुपुर्द किया। परिजनों से बच्चे का स्कूल में प्रवेश कराने को भी कहा गया। वहीं, बद्रीनाथ मार्ग के ही एक अन्य प्रतिष्ठान में करीब 17 वर्षीय किशोर कार्य करता मिला, जिसके मामले में भी बाल एवं किशोर श्रम कानून के तहत कार्रवाई की गई। टास्क फोर्स समिति ने लोगों से बाल श्रम की सूचना प्रशासन को देने की अपील की। अभियान में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष राकेश चंद्रा बिडालिया, श्रम प्रवर्तन अधिकारी मोहन बेलवाल, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन और अन्य विभागों के अधिकारी शामिल रहे।

इंस्टाग्राम पर बाल अश्लील सामग्री प्रसारित करने का मुकदमा दर्ज

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण से संबंधित अश्लील सामग्री प्रसारित करने के मामले में पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

वरिष्ठ उपनिरीक्षक शशि भूषण जोशी ने बताया कि सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के दौरान बाल अश्लील सामग्री प्रसारित किए जाने की जानकारी मिलने पर कार्रवाई की गई।

आरोपी की पहचान कर उसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की अवैध, आपत्तिजनक या बाल यौन शोषण से जुड़ी सामग्री न साझा करें और न ही उसका प्रचार-प्रसार करें। ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उत्तराखण्ड पर्यटन
उधमी प्रोत्साहन योजना
उत्तराखण्ड सचमुच स्वर्ग!

उत्तराखण्ड के स्थाई निवासियों/उद्यमियों के लिए

सुनहरा अवसर

₹1 करोड़ से ₹5 करोड़ तक का निवेश कर आकर्षक प्रोत्साहन का लाभ उठाएं।

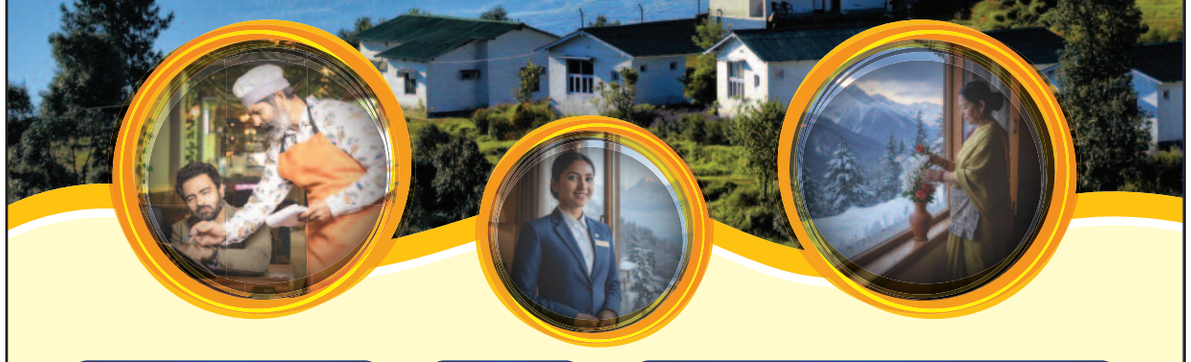

पात्रता
- केवल उत्तराखण्ड के स्थायी निवासी/उद्यमी पात्र।
- प्रोपराइटरशिप, पार्टनरशिप, एलएलपी, प्रा. लि. आदि विधिक संस्थाएं पात्र।

निवेश सीमा
₹1 करोड़ से ₹5 करोड़ तक।

अनुमन्य गतिविधियां
- होटल, मोटल, स्पा, वेलनेस रिसोर्ट, फ्लोटिंग रिसोर्ट, हाउसबोट, इको लॉज, टैंटीय आवास एवं मनोरंजन पार्क आदि।
- नई इकाई स्थापना एवं विद्यमान इकाई के विस्तारीकरण पर योजना का लाभ।

अनुदान/प्रोत्साहन (Incentives)

पूंजीगत अनुदान: अधिकतम ₹1.50 करोड़ तक
स्टाम्प शुल्क प्रतिपूर्ति: 100% तक
ब्याज अनुदान (3 वर्षों तक): अधिकतम ₹6 लाख प्रति वर्ष तक

योजना का लाभ हेतु ऑनलाइन पंजीकरण करें:
https://nivesh.uttarakhandtourism.gov.in/

योजना के अन्तर्गत पंजीकरण एवं अनुदान प्रक्रिया

सिंगल विंडो पोर्टल से सैद्धान्तिक अनुमोदन (CAF Approval) आवश्यक | पर्यटन विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण आवश्यक कार्य पूर्ण होने एवं व्यवसायिक संचालन प्रारम्भ के उपरान्त अनुदान हेतु ऑनलाइन आवेदन।

अधिक जानकारी हेतु योजना के दिशा-निर्देशों का अवलोकन करें अथवा सम्पर्क करें

जिला पर्यटन विकास अधिकारी

टिहरी - 7300799202 / हरिद्वार - 7060038441 / पौड़ी - 7300799201 / चमोली - 9792376998 / देहरादून - 7300799203 / रूद्रप्रयाग - 8299806624 / उत्तरकाशी - 8279868075 / अल्मोड़ा - 8954615410 / बागेश्वर - 9412998517 / चम्पावत - 9012353111 / नैनीताल - 7895737015 / पिथौरागढ़ - 9458300455 / ऊधम सिंह नगर - 7060038438

निवेश सहायता केन्द्र

उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद, देहरादून

दूरभाष: 0135-2559898/7060038427; ई-मेल: tifcuttarakhandtourism@gmail.com/traveltradeutdb@gmail.com

uttarakhandtourism.gov.in | /UttarakhandTourismOfficialPage | /UTDBofficial | /uttarakhand_tourismofficial | Uttarakhand Tourism

संपादकीय

युवा आंदोलन, नए दौर की दस्तक

युवाओं के भविष्य को लेकर इस समय देश के अंदर एक नही बहस छिड़ गई है जिसमें अब धीरे–धीरे युवाओं के साथ किसान संगठन, कलाकार, बुद्धिजीवी एवं अभिभावक भी जुड़ने लगे हैं। इस मुद्दे को लेकर सरकार का जो रवैया देखने को मिल रहा है वह बेहद चिंतनीय है क्योंकि सरकार पेपर लीक मामले में मौन धारण किए हुए है जिससे स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। जंतर मंतर पर जिस प्रकार से पुलिस ने या फिर पुलिस के भेष में छात्रों पर लाठियां बरसाई गई वह स्पष्ट दर्शाता है कि युवाओं की भविष्य को लेकर केंद्र सरकार का दृष्टिकोण क्या है।दिल्ली का जंतर–मंतर से आम नागरिक अपनी आवाज़ सत्ता तक पहुँचाने का प्रयास करता है। इन दिनों जंतर–मंतर पर चल रहा आंदोलन एक बार फिर यह साबित कर रहा है कि लोकतंत्र में जनता की चिंताएँ यदि समय पर नहीं सुनी जाती, तो वे सड़कों पर उतरकर राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बन जाती हैं। वर्तमान आंदोलन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें युवाओं की भागीदारी अत्यधिक दिखाई दे रही है। शिक्षा, रोजगार, परीक्षा प्रणाली और अवसरों की समानता जैसे मुद्दों ने बड़ी संख्या में छात्रों और युवाओं को आंदोलन से जोड़ा है। इधर प्रदर्शनकारियों और प्रशासन के बीच टकराव ने इस आंदोलन को और अधिक राष्ट्रीय चर्चा का विषय बना दिया है। जहां सरकार युवाओं की मांग पर कार्रवाई करने को तैयार नहीं तो वहीं विपक्ष इसे सरकार की नीतियों की विफलता के प्रमाण के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, जबकि सरकार इसे कानून–व्यवस्था और प्रशासनिक सुधारों के संदर्भ में देख रही है। परिणामस्वरूप संसद से लेकर सोशल मीडिया तक बहस का केंद्र युवाओं की समस्याएँ बन गई हैं।

इस आंदोलन का एक बड़ा प्रभाव यह भी है कि इसने युवा मतदाताओं को राजनीतिक विमर्श के केंद्र में ला खड़ा किया है। पिछले कुछ वर्षों में चुनावी राजनीति अक्सर जाति, धर्म और क्षेत्रीय मुद्दों के इर्द–गिर्द घूमती रही है, लेकिन वर्तमान आंदोलन शिक्षा और रोजगार जैसे बुनियादी प्रश्नों को राष्ट्रीय एजेंडे में वापस ला रहा है। यदि यह प्रवृत्ति आगे बढ़ती है, तो आने वाले चुनावों में असर नजर आयेगा। सोशल मीडिया की भूमिका भी इस आंदोलन में उल्लेखनीय रही है। सोशल मीडिया आज एक पूरे देश की सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक स्थिति को बदलने की ताकत रखता है। अब आधुनिक भारत में कोई भी जनआंदोलन केवल धरना–स्थल तक सीमित नहीं रहता, बल्कि ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों स्तरों पर जनमत को प्रभावित करता है। इस आंदोलन की विशेषता यह है कि इसमें पूरी तरह से भागीदारी युवाओं की है और देशभर से बिना किसी राजनीतिक समर्थन के हुए सरकार के खिलाफ खड़े हैं। जंतर–मंतर का वर्तमान आंदोलन भी शिक्षा, परीक्षा प्रणाली और युवाओं की आकांक्षाओं पर गंभीर राष्ट्रीय बहस शुरू करने का केंद्र बिंदु बन गया है। जंतर मंतर के इस आंदोलन में यह स्पष्ट कर दिया है कि देश का युवा नेताओं की लुभावने बातों से हटकर मुद्दों का। परिणाम देखना चाहता है। चिकनी चुपड़ी बातों की बजाय सरकार अपनी कमियों को दूर करें वह इस देश के युवाओं के लिए ज्यादा। लाभकारी साबित होगा, लेकिन यहां जो रवैया सरकार का देखने को मिला है उस देश का युवा बेहद असंतुष्ट है और सड़कों पर उतर रहा है जो कि गंभीर विषय है। आज देश का युवा अपने भविष्य से जुड़े प्रश्नों पर जवाबदेही, पारदर्शिता और ठोस कार्रवाई चाहती है। लोकतंत्र की शक्ति भी इसी में निहित है कि जनता समय–समय पर सत्ता को उसकी जिम्मेदारियों का स्मरण कराती रहे। इसलिए यह आंदोलन चाहे जितने दिनों तक चले, उसने भारतीय राजनीति को युवाओं की आवाज़ सुनने के लिए मजबूर अवश्य किया है।

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलकः स्वराज, स्वाभिमान और राष्ट्रजागरण के महानायक

सुनील कुमार महला

स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा। यह प्रसिद्ध उद्घोष महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, राष्ट्रवादी नेता, प्रभावशाली वक्ता, लेखक, जन-जागरण के अग्रदूत, भारतीय संस्कृति और परंपराओं के समर्थक, युवाओं के प्रेरणास्रोत तथा पत्रकार लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का है। प्रतिवर्ष 23 जुलाई को उनकी जयंती मनाई जाती है। यहाँ पाठकों को बताता चलूँ कि तिलक को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का जनक तथा लोकमान्य की उपाधि प्रदान की गई है। लोकमान्य का अर्थ है- जिसे जनता द्वारा मान्यता प्राप्त हो। तिलक की गिनती उन नेताओं में की जाती है जिन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध जनमत तैयार किया और लोगों को स्वतंत्रता के लिए संगठित किया।

पाठकों को बताता चलूं कि लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का जन्म 23 जुलाई 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी में हुआ था। उनका पूरा नाम केशव गंगाधर तिलक था। उनके पिता गंगाधर रामचंद्र तिलक संस्कृत के विद्वान तथा शिक्षक थे तथा उनकी माता पार्वतीबाई धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं। उन्होंने तिलक के व्यक्तित्व में नैतिकता, संस्कार तथा देशप्रेम के बीज बोए। जानकारी मिलती है कि जब तिलक लगभग 9 वर्ष के थे, तब उनकी माता का निधन हो गया था, जिसका उनके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा। स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ-साथ तिलक गणित और संस्कृत के अत्यंत मेधावी छात्र थे। उन्होंने अंग्रेजी शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना पर आधारित शिक्षा का समर्थन किया। वास्तव में सच तो यह है कि उन्होंने शिक्षा को राष्ट्र-जागरण का साधन माना और 1880 में पुणे में न्यू इंग्लिश स्कूल की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खगोलशास्त्र और वेदों में भी उनकी गहरी रुचि थी। उन्होंने द आर्कटिक होम इन द वेदाज नामक पुस्तक लिखी, जिसमें वैदिक सभ्यता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। केसरी (मराठी भाषा) तथा द मराठा (अंग्रेजी भाषा) जैसे प्रसिद्ध समाचार पत्रों की स्थापना भी उनके द्वारा की गई। वास्तव में इन समाचार पत्रों के माध्यम से तिलक ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को वैचारिक शक्ति और जनसमर्थन प्रदान किया। केसरी के माध्यम से उन्होंने ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीतियों की खुलकर आलोचना की तथा किसानों, मजदूरों और सामान्य जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इसके माध्यम से उन्होंने स्वदेशी, स्वराज और राष्ट्रीय एकता का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। मराठी भाषा में होने के कारण यह सीधे आम लोगों की आवाज बन गया। वहीं द मराठा समाचार पत्र के माध्यम से उन्होंने शिक्षित भारतीयों तथा ब्रिटिश शासकों तक भारतीयों की भावनाएँ पहुँचाईं इतना ही नहीं, तिलक ने सार्वजनिक गणेशोत्सव और शिवाजी महोत्सव की शुरूआत कर उन्हें सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकता का माध्यम बनाया। दरअसल, उन्होंने 1893 में गणेशोत्सव को सार्वजनिक रूप दिया ताकि लोग एकत्र होकर राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा कर सकें और अंग्रेजों के विरुद्ध एकजुट हो सकें। इन आयोजनों ने स्वतंत्रता आंदोलन को जन-आंदोलन बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।गौरतलब है कि 1908 में राजद्रोह के आरोप में तिलक को बर्मा (अब म्यांमार) के मांडले कारागार भेजा गया, जहाँ उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता रहस्य की रचना की। बहुत कम लोग जानते हैं कि ब्रिटिश लेखक वैलेंटाइन चिरोल ने उन्हें फादर ऑफ इंडियन अनरेस्ट अर्थात भारतीय अशांति का जनक कहा था।

वर्ष 1916 में तिलक ने होमरूल लीग की स्थापना की, जिसका उद्देश्य भारत को स्वशासन दिलाना था। यहाँ पाठकों को जानकारी देना चाहूँगा कि होमरूल आंदोलन का अर्थ है-अपने देश का शासन स्वयं चलाने का अधिकार। यह आंदोलन भारत को ब्रिटिश शासन के अधीन रहते हुए भी स्वशासन दिलाने के लिए शुरू किया गया था। तिलक ने महाराष्ट्र और मध्य भारत में तथा एनी बेसेंट ने मद्रास सहित अन्य क्षेत्रों में होमरूल लीग की स्थापना की। इस आंदोलन का उद्देश्य भारतीयों में राजनीतिक जागरूकता बढ़ाना और स्वराज की माँग को जन-जन तक पहुँचाना था। होमरूल आंदोलन ने देशभर में स्वतंत्रता की भावना को मजबूत किया और भारतीयों को यह विश्वास दिलाया कि वे स्वयं अपना शासन चलाने में सक्षम हैं। इस आंदोलन ने आगे चलकर महात्मा गांधी के नेतृत्व में होने वाले जन आंदोलनों के लिए मजबूत आधार तैयार किया। उल्लेखनीय है कि आप कांग्रेस के पहले जननेता माने जाते हैं और आपने विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का समर्थन किया। वास्तव में सच तो यह है कि लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक और बिपिन चंद्र पाल की तिकड़ी ने स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा दी। बहुत कम लोग जानते हैं कि रूसी क्रांति के नेता व्लादिमीर लेनिन ने भी तिलक को भारत के महान क्रांतिकारी नेताओं में गिना था। यहां पाठकों को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें आधुनिक भारत का निमार्ता तथा भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें भारतीय क्रांति का जनक कहा था।रोचक तथ्य यह है कि तिलक ने अपने जीवनकाल में कभी कोई सरकारी पद प्राप्त करने की इच्छा नहीं जताई। उनका पूरा ध्यान राष्ट्र-जागरण, शिक्षा और स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूत बनाने पर केंद्रित रहा।

अपने जीवन के अंतिम वर्षों में तिलक का स्वास्थ्य लगातार गिर रहा था। जुलाई 1920 में वे गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। उन्हें मलेरिया और अन्य स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं ने घेर लिया था। उपचार के बावजूद उनकी स्थिति बिगड़ती गई और 1 अगस्त 1920 की मध्यरात्रि के बाद (लगभग 12:40 बजे) मुंबई (तत्कालीन बंबई), महाराष्ट्र में 64 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया।

अंत में यही कहूँगा कि लोकमान्य तिलक केवल एक स्वतंत्रता सेनानी नहीं थे, बल्कि पत्रकार, शिक्षाविद्, समाज सुधारक, संगठनकर्ता और राष्ट्रवादी चिंतक भी थे। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को जन-आंदोलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और आने वाली पीढ़ियों के लिए संघर्ष, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का आदर्श स्थापित किया।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

सींखचों में सिसक रहीं हैं अपने सुहाग का खून करने वाली विवाहिताएं

मनोज कुमार अग्रवाल

देश की बहुत सारी जेलों में अंधी वासना अवैध संबंध के चलते अपना सुहाग को उजाड़ने वाली कुलटाएं अपने कृत्यों के लिए दिनरात त्रासदी भुगत रहीं हैं। पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ जिला जेल में ही पिछले कुछ महीनों में सामने आए अवैध रिश्तों के ताने बाने में फंसकर अपने ही हाथों से अपने सुहाग को कत्ल कर जीवन को नरक में धकेलने की की कहानी दबी पड़ी हैं । हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ चौधरी चरण सिंह जिला कारागार की बैरक नंबर 12ए में छह महिलाएं भी बंद हैं, जिन्होंने पराए संबंधों के मोह में अपने ही परिवार के खिलाफ घातक षड्यंत्र रच डाला। पांच जहां पति की हत्या की गुनहगार हैं, छठी ने अपनी कोख से जन्मे बेटे को ही मरवा दिया।

यूपी की सबसे पुरानी जेलों में शुमार मेरठ की जिला जेल में फिलहाल 67 महिला बंदी हैं, जिन्हें बैरक 12ए और 12बी में रखा गया है। पति को सांप से डसवाकर मरवाने वाली दामिनी को भी इसी बैरक में मुस्कान, अंजलि, रविता, कोमल और गुरप्रीत के साथ रखा गया है। जेल प्रशासन के अनुसार दामिनी फिलहाल किसी से बातचीत नहीं कर रही है। उसकी काउंसलिंग की तैयारी है। जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा बताते हैं कि इन महिलाओं को एक ही बैरक में रखने का उद्देश्य यह है कि वे एक-दूसरे का सहारा बन सकें। अधिकांश को अपने किए पर पछतावा है।इन सबके भीतर जेल से बाहर आने की छटपटाहट है लेकिन भविष्य खत्म हो जाने का अहसास भी है। इन पति हंता महिलाओं से जब परिवार वाले बच्चों के साथ मिलने आते हैं तो उनका भावनात्मक संतुलन टूट जाता है। ऐसे समय में वे एक-दूसरे से कहती भी हैं कि उनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई थी , जो खुद ही अपनी गृहस्थी उजाड़ ली। सुबह सुंदरकांड के पाठ के बाद मुस्कान अपनी बेटी के साथ समय बिताती है, जबकि अंजलि, गुरुप्रीत, रविता और कोमल सिलाई-कढ़ाई में खुद को व्यस्त रखती हैं।

आपको बता दें मुस्कान रस्तोगी का नीला ड्रम कांड हो अथवा रविता और दामिनी..। सभी ने पति के रहते भी दूसरे युवकों से आशिकी का चक्कर चलाया प्यार के चक्कर में अपने पति का काम तमाम कर अपराध की अंधी राह पर जाकर खून से अपने हाथ रंग लिए। संगीता, अंजलि, कोमल और कविता की भी यही कहानी है।पति से भावनात्मक और जिस्मानी पूर्ति के बावजूद ये दूसरे आशिकों के साथ रंगरलियां मनाने की वासना भरी चाहत में ऐसी भटकी कि कुछ महिलाओं ने अपने ही सुहाग को मौत के घाट उतार दिया तो एक ने बेटे को ही मार दिया। जिन सपनों के लिए उन्होंने यह खतरनाक रास्ता अख्तियार किया, वे टूट चुके हैं। जेल में कोई सिलाई-कढ़ाई सीख रही तो कोई बच्चों को पढ़ा रही है।हर सुबह जेल में बजने वाले सुंदरकांड को सुन कर मन की शांति पाने की कोशिश करती है। जाने-अनजाने उन्होंने यह कदम उठा तो लिया लेकिन सलाखों के पीछे अब सिर्फ दर्द है, पछतावा है और बेबस सिसकियां भी। आपको पता होगा तीन मार्च 2025 की रात को ब्रह्मपुरी की रहने वाली मुस्कान रस्तागी ने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर पति सौरभ राजपूत की हत्या कर दी थी। ड्रम के अंदर सीमेंट से शव को जमा दिया था। मुस्कान और साहिल अभी भी जेल की सलाखों के पीछे है। दोनों के मुकदमे में जल्द ही निर्णय भी आने वाला है। परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र के गांव अगवानपुर निवासी 28 वर्षीय राहुल से अंजलि के तीन बेटे हैं। इसके बावजूद अंजलि का दिल पड़ोसी अजय पर आ गया। राहुल खेती बाड़ी व पशुपालन करता था, जबकि अजय आवारा किस्म का था और मौजमस्ती करता था। अजय ही अंजलि को रास्ते में से पिकअप कर लेकर होटल पहुंच जाता था। राहुल इसका विरोध करता था। एक नंवबर 2025 रात आठ बजे अंजलि ने काल कर राहुल को गांव के बाहर मंदिर पर बुलाया। वहां पर अजय भी आ गया। तब अजय ने राहुल की तीन गोली मारकर हत्या कर दी।

मेरठ के बहसूमा के अकबरपुर सादात ने रविता ने 17 अप्रैल 2025 को प्रेमी प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर पति अमित की गला दबाकर हत्या कराई। उसके बाद सांप खरीद कर अमित के बिस्तर पर छोड़ दिया। उसके बाद सांप से काटने का नाटक रच दिया। पोस्टमार्टम में गला दबाकर हत्या आने के बाद पुलिस ने रविता और अमरदीप को जेल भेज दिया। दोनों फिलहाल जेल में बंद है।

वहीं चार अप्रैल को मेरठ जिला के परीक्षितगढ़ के अगवानपुर निवासी बीएसएफ जवान नैन सिंह की हत्या का पदार्फाश करते हुए पुलिस ने पत्नी को और मौसी के बेटे गुलशन समेत पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। कोमल ने बहन के मंगेतर गुलशन के साथ मिलकर हत्या की पूरी पटकथा रची थी। छह लाख की सुपारी के लिए अपने आभूषण गिरवी रखकर रकम जुटाई थी। मोबाइल कॉल डिटेल से ही पुलिस गुलशन तक पहुंची थी।

मेरठ की ही युवती गुरप्रीत ने तो प्रेमी के चक्कर में फंसकर अपनी कोख को ही उजाड़ दिया है। 17 जून को मेरठ जिला के बहसूमा के सैफपुर फिरोजपुर निवासी गुरुप्रीत कौर ने प्रेमी मुजफ्फरनगर के मीरापुर निवासी अर्पित पराशर के साथ मिलकर सात साले के बेटे अंगदवीर की हस्तिनापुर ले जाकर हत्या करा दी। महिला पौने दो साल से पति से अलग रह रही थी, बेटे की हत्या से चार दिन पहले ही ससुराल लौटी थी। गुरुप्रीत और अर्पित पराशर भी जेल में है।

23 जून 2025 को मेरठ के जानी खुर्द के किसान सुभाष की हत्या उसकी पत्नी कविता और छोटी बेटी सोनम ने अपने प्रेमियों के साथ मिलकर कराई थी। बेटी के प्रेमी विपिन ने दोस्त अजगर उर्फ शिवम के साथ गोली मारकर हत्या की थी। मां बेटी समेत पांच आरोपितों को पुलिस ने जेल भेज दिया। कविता और सोनम जमानत पर जेल से छूट चुकी है।

28 फरवरी 2025 को जानी के गांव कुसैड़ी निवासी लोडर ऑपरेटर अजय कुमार की हत्या उसकी पत्नी संगीता ने ही प्रेमी अवनीश निवासी गाजियाबाद के संग मिलकर की है। अजय कुमार उर्फ बिटटू ताऊ के बेटे की शादी समारोह में शामिल होने के बाद लौट रहा था। तब रास्ते में अवनीश ने ईंट से कुचलकर मार डाला। संगीता जमानत पर जेल से छूट चुकी है।

यह समय की गति है या कलियुग का प्रभाव कि यूपी ही नहीं देश भर में प्रेम त्रिकोण विवाहेत्तर संबंध अंधी वासना और अवैध सम्बन्धों के चलते कई सौ विवाहिता युवतियां जेल की चारदीवारी में शून्य हो चुके भविष्य को तलाश रहीं हैं। कुछ तो जेल से बाहर निकल कर कहां ठिकाना होगा यह भी नहीं जानती क्योंकि उनके अपराध के कारण सामाजिक जिल्लत झेल रहे उनके मा बाप परिवार ने भी उनसे किनारा कर लिया है। सवाल फिर वही है ऐसा क्या है जो मुस्कान रविता गुलशन संगीता अंजली को उनके साथ सात फेरे लेने वाले पति नहीं दे पाए। संस्कार की कमी अवैध सम्बन्ध और विवाहेत्तर वासना की अंधी सुरंग हजारों विवाहित कपल्स के जीवन को कलंकित कर रही है। हमारे गौरवशाली समाज और संस्कृति में यौन शुचिता का विचार रहा है यही विचार है कि हिन्दुस्तान की नारी शक्ति का विश्व भर में विश्वास और सम्मान रहा है लेकिन पिछले एक दशक में भारतीय नारी समाज को कथित प्रगतिशीलता पुरुष समानता और स्वतंत्र जीवन शैली के नाम पर यौन स्वछंदता और अमर्यादित जीवन की ओर धकेलने की कोशिश की जा रही है नेटफलिक्स होट स्टार तमाम मीडिया पर भारतीय महिलाओं को कथित आधुनिकता के नाम पर अवैध सम्बन्धों वाले स्वछंद जीवन शैली की और प्रेरित किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि हजारों जीवन अपने राह से उतर कर अंधेरी सुरंग में जीवन का स्वर्णिम समय देने के लिए मजबूर हैं।

युवा असंतोष : देखना है जोर कितना बाजु-ए-कातिल में है?

निर्मल रानी

छात्र युवा आंदोलन की यह चिंगारी अब शोला बन चुकी है। व्यवस्था से दुखी युवा अपने भविष्य की अनिश्चितताओं के चलते इस समय आर पार की लड़ाई लड़ने के लिये तैयार है और पूरे गुस्से में है। जंतर मंतर पर सत्ता के जुल्म के शिकार युवाओं के मुंह से अब हर तरफ यही सुनाई दे रहा है - सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है। देखना है जोर कितना बाजु -ए-कातिल में है?

देश का भविष्य, युवा शक्ति इन दिनों दिल्ली से लेकर देश के और भी कई नगरों महानगरों में सड़कों पर उतर चुका है। भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में यह पहला अवसर है जबकि सरकार को इतने व्यापक स्तर पर जन विरोध का सामना करना पड़ रहा है। युवाओं व छात्रों में उपजे इस तरह के राष्ट्रव्यापी असंतोष का मुख्य कारण यह है कि उन्हें अपना भविष्य अंधकारमय नजर आ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में कथित रूप से 152 बार विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने की घटनायें हो चुकी हैं। इसके चलते लगभग 7.5 करोड़ छात्रों के भविष्य के लिये संकट खड़ा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वर्ष 2021 से 2026 के बीच नीट परीक्षा के दबाव,अनिश्चितताओं ,पेपर लीक मॉडल और व्यवस्था की नाकामी के चलते मानसिक तनाव में आकर देश में 90 से अधिक छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। देश का युवा केंद्रीय शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग कर रहा है। परंतु फिलहाल तो ऐसा प्रतीत हो रहा है कि सरकार ने युवाओं की इस मांग को नकारने को ही अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है। यही वजह है कि पर्यावरणविद व सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के लंबे अनशन के बावजूद सरकार ने उनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया। नतीजतन जंतर मंतर से युवाओं का सैलाब गत 20 जुलाई को सत्र शुरूआत के पहले ही दिन संसद की ओर निकल पड़ा।

इस पूरे घटनाक्रम के कई अलग अलग पहलू हैं। इनमें एक महत्वपूर्ण पहलू है सरकार का इन प्रदर्शनकारी युवाओं,छात्रों व आंदोलन से निपटने का तरीका। याद कीजिये जब तीन कृषि कानूनों के विरुद्ध दिल्ली की सीमाओं पर 26 नवंबर 2020 से 9 दिसंबर 2021 तक ऐतिहासिक किसान आंदोलन 380 दिनों तक चला था उस समय भी इसी भाजपा सरकार ने आंदोलन को कुचलने के लिये तरह तरह के हथकंडे अपनाये थे। उसे भी पाकिस्तान, माओवादी,खालिस्तानी समर्थक आंदोलन बताया गया था। आंदोलन की फंडिंग पर सवाल खड़ा किया गया था,किसान दिल्ली न पहुँचने पाएं इसके लिये सड़कों पर कीलें बिछाई गयी थीं,कई जगह पक्की दीवारें बनाकर आंदोलन को कमजोर करने की कोशिश हुई थी। परन्तु अन्नदाता कहाँ दबने वाले थे। आखिरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 नवंबर 2021 को तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने का

आधिकारिक ऐलान किया। और किसानों ने तीनों काले कृषि कानूनों को वापस करवाकर ही दम लिया। इस तरह के किसान विरोधी प्रोपेगेंडा में तब भी मीडिया ने सत्ता के पक्ष में बड़ी भूमिका निभाई थी और आज भी वही सत्ता परस्त चाटुकार मीडिया छात्रों व युवा शक्ति के इस आंदोलन में ठीक वैसी ही भूमिका निभा रहा है।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और शिक्षा प्रणाली में सुधार को लेकर 28 जून 2026 से अनशन शुरू हुआ था। सोनम वांगचुक व छात्र संगठनों के नेतृत्व में चल रहा यह आंदोलन 34 दिन पूरे कर चुका है। एक तरफ तो देश की लगभग सभी विपक्षी पार्टियों का समर्थन इस आंदोलन को हासिल है तो दूसरी तरफ किसान आंदोलन की ही तरह इस आंदोलन को भी कमजोर व बदनाम करने की साजिश बिकाऊ मीडिया,सत्ता संचालित आई टी सेल व अंधभक्त ट्रोलर्स द्वारा की जा रही है। उदाहरण के तौर पर सोनम वांगचुक जोकि भारत के एक सुप्रसिद्ध इंजीनियर, शिक्षा सुधारक, पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता हैं तथा अपने अनेक अनूठे आविष्कारों और जमीनी स्तर पर शिक्षा व पर्यावरण में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए जाने जाते हैं, उनको चीनी एजेंट बताने की मुहिम छेड़ी गयी। वांगचुक को उनके कार्यों के लिए अब तक लगभग 15 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं, जिनमें प्रमुख रूप से एशिया का नोबेल पुरस्कार समझा जाने वाला रेमन मैग्सेसे पुरस्कार भी 2018 में मिल चुका है। वे लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची के तहत विशेष सुरक्षा प्रदान करने और पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए भी लेह में 21 दिनों का कड़ा अनशन कर चुके हैं और जेल भी जा चुके हैं। ऐसे प्रतिष्ठित समाजसेवी व्यक्ति को चीनी एजेंट के रूप में बदनाम करने का मकसद छात्र आंदोलन को बदनाम करना है।

बहरहाल जब सत्ता के यह हथकंडे कामयाब नहीं हुये तो छल,साजिश और दमन की नीति अपनाकर इस आंदोलन को कुचलने की कोशिश की गयी। 19 /20 जुलाई की रात जंतर मंतर पर धरना स्थल के बिल्कुल करीब पत्थरों से भरा एक ट्रक चुपके से लाकर खड़ा कर दिया गया। उसी के साथ एक टूटी फूटी वैन खड़ी कर दी गयी। जिसे आंदोलनकारी समर्थक सोशल मीडिया ने देर रात चेक कर उसकी वीडिओ वायरल कर दी और युवाओं को चेतावनी दे दी कि यह साजिश का हिस्सा है इससे सचेत रहें। उसके बाद जब युवाओं का जनसैलाब 20 जुलाई को अनियंत्रित होकर संसद की तरफ कूच करने लगा उसकी आड़ में जगह जगह पुलिस की जिस बर्बरता के भयावह दृश्य देखने को मिले उसने तो सत्ता की मंशा,क्रूरता व अहंकार को पूरी तरह से बेनकाब कर दिया। 100 से अधिक युवा पुलिस बर्बरता का शिकार हुये। पुलिस के साथ ही सादे लिबास में अनेक संदिग्ध लोग छात्रों,युवाओं यहां तक मासूम बच्चियां व बुजुर्गों पर भी बेरहमी से डंडे बरसाते दिखाई दिये। सिर्फ लाठी चार्ज ही नहीं किया गया बल्कि पानी की तेज धार और आंसू गैस के गोले भी दागे गये। इतना ही नहीं बल्कि संसद भवन के भीतर आधुनिक शस्त्रों से लैस कई पुलिस वाले प्रदर्शनकारियों की ओर निशाना साधे दिखाई दिये। गोया यदि प्रदर्शनकारी संसद भवन के भीतर आने की कोशिश करते तो उनका भारी नरसंहार संभव था। इस चित्र ने भी लोगों में भारी गुस्सा पैदा कर दिया। सत्ता के अहंकार और पुलिस जुल्म का नतीजा यह हुआ कि अपनी जायज मांगों को लेकर प्रदर्शन करने व इसके चलते शासन की यातना सहने वाले युवाओं के प्रति देश भर में समर्थन और बढ़ गया। देश भर से दिल्ली पहुंचे सैकड़ों ऐसे युवा व अभिभावक जंतर मन्त्र पर नजर आये जिन्होंने विमान अथवा ट्रेन से 20 जुलाई की शाम या रात का अपना घर वापसी का टिकट बुक करा रखा था उन्होंने युवाओं के समर्थन में व पुलिस व सत्ता के जुल्म से क्रोधित होकर अपने टिकट कैंसिल करा दिये और आर पार की लड़ाई लड़ने के लिये दिल्ली में ही रुकने का फैसला किया। अब जंतर मंतर पर युवाओं का सैलाब और बढ़ता जा रहा है। इस अहंकारी सत्ता ने रही सही कसर तब पूरी कर दी जब पुलिस ने नेता विपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी,अखिलेश यादव सहित अनेक सांसदों व योगेंद्र यादव जैसे कई वरिष्ठ नेताओं को भी कुछ समय के लिये गिरफ़्तार कर लिया। बहरहाल छात्र युवा आंदोलन की यह चिंगारी अब शोला बन चुकी है। व्यवस्था से दुखी युवा अपने भविष्य की अनिश्चितताओं के चलते इस समय आर पार की लड़ाई लड़ने के लिये तैयार है और पूरे गुस्से में है। जंतर मंतर पर सत्ता के जुल्म के शिकार युवाओं के मुंह से अब हर तरफ यही सुनाई दे रहा है - सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है। देखना है जोर कितना बाजु -ए-कातिल में है?

संक्षिप्त समाचार

ओमान में भारतीय महिला कामगारों का उत्पीड़न

मस्कट, एजेंसी। पश्चिम एशियाई देश ओमान में भारतीय राजदूत प्रशांत पिसे ने उत्पीड़न की शिकार भारतीय महिला घरेलू कामगारों से मुलाकात की और मदद का भरोसा दिया। यह कदम खाड़ी देशों में भारतीय महिला कामगारों के उत्पीड़न, शोषण और वेतन न मिलने की लगातार आ रही खबरों के बीच उठाया गया। हाल ही में हैदराबाद की शबनम बेगम का मामला सामने आया था, जिन्हें बेहतर नौकरी का झांसा देकर मस्कट बुलाया गया और वहां 12 से 15 घंटे जबरन काम कराया गया। प्रताड़ना के बाद शबनम दूतावास में शरण ली।

फ्रांस में भी बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध की तैयारी

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में भी 15 साल की उम्र से छोटे बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर प्रतिबंध की तैयारी शुरू हो गई है। यहां संसद के ग्रीष्मावकाश से पहले इस आशय के विधेयक को अंतिम रूप दिया जाना है और सितंबर में नए शैक्षणिक सत्र से इसे लागू करने की योजना है। यह विधेयक में स्कूलों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर भी रोक लगाता है। यदि ऐसा हुआ तो फ्रांस ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील और यूएई जैसे उन देशों की सूची में शामिल हो जाएगा, जो बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा चुके हैं।

हमास के नए लीडर बने खलील अल-हाय्या

यरुशलम, एजेंसी। फलस्तीनी सशस्त्र समूह हमास ने खलील अल-हय्या को अपना लीडर घोषित किया है। उन्होंने याह्या सिनवार की जगह ली है। 2024 में सिनवार और इस्माइल हानिये की मौत के बाद अल-हय्या हमास के बड़े नेता बनकर उभरे हैं और गाजा के प्रमुख वार्ताकार भी हैं। 2014 में इस्राइल के साथ युद्धविराम कराने में उनकी बड़ी भूमिका रही है। अल-हय्या उन शीर्ष अधिकारियों में भी शामिल थे, जिन्हें 2025 में दोहा में हुए इस्राइली हमले में निशाना बनाया गया था। इससे पहले, इस्राइल 2007 और 2014 में दो बार उनके घर पर बमबारी कर चुका है लेकिन वह हर बार बच गए।

जिनपिंग सितंबर में जाएंगे अमेरिका, चीन ने कहा- ट्रंप पर चुनावों में हस्तक्षेप के आरोपों का असर यात्रा पर नहीं

बीजिंग, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी चुनावों में हस्तक्षेप के आरोपों के बावजूद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सितंबर में प्रस्तावित वाशिंगटन यात्रा तय समय पर होगी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि दोनों देश शीर्ष नेताओं की बैठक को लेकर लगातार संपर्क में हैं। संबंधों को सुधारने की दिशा में यह वार्ता बेहद महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। इससे पहले, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी उम्मीद जताई थी कि ट्रंप की टिप्पणियों का इस यात्रा पर कोई असर नहीं पड़ेगा और चीनी टीम तैयारियां जारी रखे हुए है।

ईरान : सुन्नी धर्मगुरु मोहम्मद अनवर रिगी की हत्या, मस्जिद के पास अज्ञात बंदूकधारियों ने मारी गोली

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत स्थित मिर्जावेह शहर से एक दुखद खबर सामने आई है, जहाँ अज्ञात बंदूकधारियों ने प्रमुख बड़े सुन्नी मौलवी मोहम्मद अनवर रिगी की हत्या कर दी है। मौलवी रिगी शहर की मस्जिद में शुक्रवार की नमाज के इमाम थे। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सरकारी मीडिया ने स्थानीय अधिकारियों का हवाला देते हुए इस घटना की पुष्टि की है। यह क्षेत्र पाकिस्तान सीमा से सटा हुआ है और भौगोलिक रूप से काफी संवेदनशील माना जाता है। सिस्तान-बलूचिस्तान ईरान का सबसे गरीब और अशांत प्रांतों में से एक है। शिया-बहुल ईरान में यह प्रांत सुन्नी बलूच आबादी का गढ़ है, जो लंबे समय से जातीय और इस्लामी उग्रवादियों तथा सुरक्षा बलों के बीच जारी संघर्ष का केंद्र बना हुआ है। स्थानीय प्रशासन ने इस हमले को प्रांत की सुरक्षा व्यवस्था को कमजोर करने और सांप्रदायिक तनाव भड़काने की एक सोची-समझी साजिश बताया है। फिलहाल, अधिकारी मामले की गहन जांच कर रहे हैं और उन्होंने आम जनता से संयम बरतने व शांति बनाए रखने की अपील की है। मौलवी की हत्या ने इस सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा चिंताओं को और अधिक बढ़ा दिया है। आपको बता दें कि सुन्नी धर्मगुरु अनवर रिगी की जब हत्या की गई तो ईरान के स्थानीय समय के अनुसार वहां सुबह के 4 बज रहें थें। जिससे इस घटना पर तरह-तरह विचार किए जा रहें है। बड़े धर्म गुरु अनवर रिगी ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत के सुन्नी समुदाय के एक प्रमुख स्थानिय नेता थें। जा वह मस्जिद के अली इब्न अबी तालिब के इमाम-ए-जुम्मा थे। उनकी नियुक्ती मिर्जावेह की मस्जिद में इमाम जुम्मा के रुप में की गई थी। ईरान के मिर्जावेह शहर में सुन्नी मौलवी मोहम्मद अनवर रिगी की अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी।

पाकिस्तान के बाद अमेरिका में भी बढ़े पेट्रोल के दाम

वाशिंगटन, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमतों में उबाल आने के बाद दुनिया भर के देश इसका बोझ अपनी आम जनता पर डालने शुरू कर दिए हैं। पकिस्तान के बाद अब अमेरिका ने भी पेट्रोल के दाम बढ़ा दिए हैं। पड़ोसी देशों में भी तेल के दाम बढ़े हैं। जबकि, भारत में फ्यूल के रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अमेरिका और ईरान के बीच हमलों के नए दौर के चलते कच्चे तेल की कीमतें 90 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई। इस बीच सोमवार को अमेरिका में पेट्रोल की औसत खुदरा कीमत फिर बढ़कर 4 डॉलर प्रति गैलन पर पहुंच गई। नियमित श्रेणी के पेट्रोल की राष्ट्रीय औसत कीमत अब चार डॉलर प्रति गैलन हो गई है। एक साल पहले यह औसतन 3.14 डॉलर प्रति गैलन थी। मार्च के अंत में अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमत पहली बार चार डॉलर प्रति गैलन से ऊपर पहुंची थी। जून के मध्य में यह इससे नीचे आ गई थी और अमेरिका-ईरान के बीच अंतरिम समझौते के बाद कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आने से इसमें और गिरावट दर्ज की गई।

पाकिस्तान में पेट्रोल 310.71 रुपये लीटर : इससे कुछ दिन पहले तेल के दाम बढ़ते ही पाकिस्तान ने तुरंत इसका बोझ अपनी जनता पर डाल दिया और ईंधन के दाम में इजाफा कर दिया। जबकि, भारत में अभी राहत है। पेट्रोलल-डीजल और सीएनजी के दाम नहीं बढ़े हैं। पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल के दाम में 13.18 रुपये (पाकिस्तानी रुपया) प्रति लीटर और हाई-स्पीड डीजल में 13.80 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इस बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तान में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 310.71 रुपये और हाई-स्पीड डीजल की कीमत 323.30 रुपये प्रति लीटर हो गई है।

इन देशों में पेट्रोल 150 रुपये के पार : साउथ अफ्रिका से लेकर बेल्जियम तक 1 लीटर पेट्रोल की कीमत 150 रुपये से 200 रुपये तक पहुंच गई है। ग्लोबल पेट्रोल प्राइसेज डॉट कॉम के मुताबिक साउथ अफ्रिका में पेट्रोल का दाम 150.72 रुपये लीटर पर पहुंच गया है। साइप्रस में 160.85 रुपये तो यूक्रेन में 163.72 रुपये लीटर। स्पेन में पेट्रोल जहां 170 के पार है तो वहीं इटली में 206.95 रुपये लीटर।

क्या भारत में भी पढ़ेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम : पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव बढ़ने से वैश्विक बाजार में चिंता बढ़ गई है। मार्च के बाद अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष फिर तेज हो गया है। इसका असर अब अंतरराष्ट्रीय व्यापार और कच्चे तेल की कीमतों पर साफ दिखाई देने लगा है। भारत के लिहाज से देखा जाए तो अगर संघर्ष लंबा चलने पर पेट्रोलियम उत्पादों के दाम बढ़ सकते हैं, जिससे घरेलू स्तर पर महंगाई बढ़ेगा। उधर, भारत के लिए आयात-निर्यात करना महंगा होता जा रहा है। होर्मुज के बंद होने से जहाजों को लंबा वैकल्पिक रास्ता अपनाना पड़ रहा है, जिससे परिवहन लागत में भारी बढ़ोतरी हो रही है। भारत के लिए यूरोप व अन्य क्षेत्रों में सामान भेजना और वहां से मंगाना महंगा हो गया है।

भारत में कई स्तर पर दिखेगा असर : जहां तक भारत की बात है तो कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और एटीएफ महंगे होने की आशंका बढ़ेगी। वहीं, आयात बिल बढ़ने से व्यापार घाटा और चालू खाते का घाटा बढ़ सकता है। शिपिंग किराया और युद्ध जोखिम बीमा बढ़ने से आयातित सामान की लागत भी बढ़ेगी। कच्चे तेल के भाव बढ़ने से रुपये पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे अन्य आयात भी महंगे हो सकते हैं। और साथ में तेल, गैस, उर्वरक, रसायन, शिपिंग और परिवहन क्षेत्र पर सबसे अधिक असर पड़ेगा।

शिपिंग कंपनियों का खर्च बढ़ा : समुद्री मार्ग बाधित होने के कारण अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनियों का परिचालन खर्च बढ़ गया है। जहाजों को लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है, जिससे ईंधन, चालक दल और समय की लागत बढ़ रही है। इसके साथ ही, युद्ध जैसे हालात को देखते हुए जहाजों के जोखिम बीमा प्रीमियम में भी तेज बढ़ोतरी हुई है। इसका सीधा असर आयात और निर्यात की लागत पर पड़ेगा। शिपमेंट की लागत कोई मार्गों पर दोगुना तक बढ़ गई है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस (फियो) के अध्यक्ष बताते हैं कि युद्ध के चलते ऑर्डर रद्द हो रहे हैं या फिर उन्हें स्थगित किया जा रहा है। अगर कुछ ऑर्डर बुक भी हो रहे हैं।

पुतिन से मिलीं उ.कोरिया की विदेश मंत्री: क्या किम जोंग भी जाएंगे रूस

सिओल, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उत्तर कोरिया की विदेश मंत्री चोए सोन हुई से मुलाकात की। पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध में रूस का समर्थन करने के लिए उत्तर कोरिया का धन्यवाद किया। यह दोनों देशों के बीच हाल के समय की एक और अहम उच्चस्तरीय कूटनीतिक मुलाकात है। रूस के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी।

क्या किम जोंग उन की रूस यात्रा की तैयारी हो रही है : उत्तर कोरिया की विदेश मंत्री चोए सोन हुई की यह रूस यात्रा ऐसे समय में हुई है, जब कोई बड़ा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन या दोनों देशों का कोई विशेष राष्ट्रीय समारोह नहीं है। इसलिए माना जा रहा है कि वह उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की संभावित रूस यात्रा की तैयारी कर रही हैं। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने बताया कि चोए शनिवार को रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के निमंत्रण पर रूस रवाना हुईं। हालांकि, किम जोंग उन और पुतिन की एक और मुलाकात की संभावना पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है।

सोमवार को चोए सोन हुई और सर्गेई लावरोव के बीच अलग से बातचीत हुई। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, रूस ने उत्तर कोरिया की संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा के प्रयासों का पूरा समर्थन किया। वहीं, उत्तर कोरिया ने यूक्रेन युद्ध में रूस के समर्थन को फिर दोहराया। दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय के प्रवक्ता यून मिन हो ने कहा कि सियोल इन बैठकों पर लगातार नजर रखे हुए है। लेकिन उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया कि क्या रूस और उत्तर कोरिया के बीच दोनों देशों के नेताओं की एक और शिखर बैठक पर चर्चा हो रही है। रूस के सरकारी मीडिया ने बताया कि रविवार को क्रेमलिन में हुई मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने दोनों देशों के अच्छे संबंधों की सराहना की। उन्होंने यूक्रेन के खिलाफ रूस की सैन्य कार्रवाई का समर्थन करने के लिए उत्तर कोरिया के नेतृत्व और वहां के लोगों का फिर से धन्यवाद किया। चोए सोन हुई ने पुतिन से कहा कि किम जोंग उन रूस के साथ संबंधों को हर क्षेत्र में और मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

दोनों देशों के बीच पहले क्या समझौता हुआ था : किम जोंग उन वर्ष 2019 और 2023 में रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र में पुतिन से मिलने गए थे। जून 2024 में पुतिन ने प्योंगयांग की यात्रा के दौरान किम को फिर से रूस आने का निमंत्रण दिया था। उसी बैठक में दोनों नेताओं ने एक रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते में कहा गया था कि यदि किसी भी देश पर हमला होता है, तो दोनों एक-दूसरे की मदद करेंगे।

अफगानिस्तान में कुदरत का कहर: अचानक आई बाढ़ में 20 लोगों की मौत, 100 से ज्यादा लोग लापता

काबुल, एजेंसी। पूर्वी अफगानिस्तान के नूरिस्तान प्रांत में सोमवार को भारी बारिश के बाद अचानक आई भयंकर बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। इस भयानक प्राकृतिक आपदा में कम से कम 20 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है और करीब 80 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इसके अलावा 100 से ज्यादा लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं जिनकी तलाश जारी है। राहत और बचाव दल लगातार प्रभावित इलाकों में फंसे हुए लोगों को निकालने और उनकी मदद करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता यूसुफ हम्मद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस भारी जान-माल के नुकसान की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि प्रांतीय आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और घायलों को बचाने में जुटे हैं। टीमें मृतकों के शव निकालने और लापता लोगों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर अपना बचाव अभियान चला रही हैं। शुरुआती जांच और नुकसान का पूरा आकलन होने के बाद ही जान-माल के नुकसान के आधिकारिक आंकड़े जारी किए जाएंगे। अफगान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक अलग बयान जारी कर मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव अभियान को और तेज करने की जरूरत है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक नूरिस्तान की राजधानी पारून इस भयंकर बाढ़ से सबसे ज्यादा और बुरी तरह प्रभावित हुई है। यहां कई घर और बुनियादी ढांचे पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं जिससे लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

इससे पहले नौ जून को भी अफगानिस्तान के अधिकारियों ने देश में आई मौसमी आपदाओं को लेकर बहुत बड़े आंकड़े जारी किए थे। रिपोर्ट के अनुसार पिछले दस हफ्तों में अचानक आई मौसमी बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं के कारण कम से कम 301 लोगों की मौत हुई है। इस लंबी अवधि के दौरान पूरे देश में लगभग 385 लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। प्रवक्ता हाफिज मोहम्मद यूसुफ हम्मद के अनुसार इन लगातार आपदाओं से देशभर में बड़े पैमाने पर भारी तबाही मची है।

एंडी बर्नहैम बने ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री, कीर स्टार्मर की जगह संभाला पद

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की लेबर पार्टी के नए नेता चुने गए एंडी बर्नहैम ने देश के नए प्रधानमंत्री का पद संभाल लिया है. किंग ऑफ द नॉर्थ के नाम से मशहूर एंडी बर्नहैम कीर स्टार्मर के इस्तीफे के बाद प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में सबसे आगे थे. उनका मुख्य लक्ष्य लोकलुभावन पार्टी रिफॉर्म यूके के बढ़ते प्रभाव को रोकना है. ब्रिटेन में राजनीतिक हलचल के बीच पिछले एक दशक में देश को उसका सातवां प्रधानमंत्री मिल गया है. लेबर पार्टी के नेता एंडी बर्नहैम को बीते सप्ताह शुक्रवार को ही पार्टी का नया मुखिया चुना गया था. लेबर पार्टी की नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी (एनईसी) की चेयर शबाना महमूद ने लंदन में पार्टी के एक विशेष सम्मेलन में यह घोषणा की थी. उन्होंने कहा, सिर्फ एक ही सांसद नॉमिनेट हुआ था. इसलिए मुकाबला आसान रहा. वहीं, बर्नहैम ने लेबर पार्टी का नेता चुने जाने को पिछले

40 वर्षों में देश की राजनीति का सबसे बड़ा बदलाव बताया था. बर्नहैम पार्टी के नए नेता बनने की दौड़ में अकेले उम्मीदवार थे, उन्होंने हाउस ऑफ कॉमन्स में लेबर पार्टी के 403 सांसदों में से 379 का नामांकन हासिल किया. ब्रिटेन की संसदीय लोकतंत्र व्यवस्था में सत्ताधारी पार्टियों को आम चुनाव कराए बिना अपने नेता और इस तरह प्रधानमंत्री को बदलने की छूट होती है. अगले आम चुनाव 2029 तक कराने की जरूरत नहीं है, हालांकि अगर बर्नहैम चाहें तो वे पहले भी चुनाव करवा सकते हैं. ग्रेटर मैनचेस्टर के पूर्व मेयर बर्नहैम ने राजनीति को 'कम जहरीला' बनाने, लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और 'उस उम्मीद को वापस लाने, जिसे हम सब खो चुके हैं,' का वादा किया है. शुक्रवार को लेबर पार्टी का नेता बनने के बाद उन्होंने कहा, 'मैं एक नई राजनीति बनाने के लिए काम करूंगा. देश को इसकी सख्त जरूरत है.' आलोचक और समर्थक जल्द ही ये जानना चाहेंगे कि बर्नहैम अपने वादों को कैसे पूरा करने की योजना बना रहे हैं. वहीं केअर स्टार्मर ने सोमवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में 10 डाउनिंग स्ट्रीट से अपना अंतिम संबोधन दिया और कहा, ''मेरा काम पूरा हो गया है.'' स्टार्मर ने ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय से मुलाकात करके औपचारिक रूप से अपना इस्तीफा सौंपने से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, ''मैं जिम्मेदारी एंडी बर्नहैम को सौंप रहा हूं, जिन्हें मेरा पूरा समर्थन है.'' लेबर सांसद स्टार्मर (63) ने पिछले महीने पद छोड़ने की घोषणा की थी. उनके बाद नवनिर्वाचित पार्टी नेता एंडी बर्नहैम बकिंघम पैलेस जाएंगे, जहां चार्ल्स उन्हें नयी सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगे. बर्नहैम (56) इसके बाद ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे और बकिंघम पैलेस से 10 डाउनिंग स्ट्रीट लौटकर राष्ट्र के नाम अपना पहला संबोधन देंगे।

न्यूयॉर्क फेडरल बिल्डिंग हमला: पूर्व अमेरिकी सैनिक ने ही लगाई आग; क्या इसके पीछे छिपी है कोई बड़ी आतंकी साजिश?

न्यूयॉर्क , एजेंसी। क्या न्यूयॉर्क की सबसे सुरक्षित इमारतों में से एक पर हमला किसी बड़ी आतंकी साजिश का हिस्सा था? न्यूयार्क में सोमवार की सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब 26 फेडरल प्लाजा स्थित सरकारी इमारत के बाहर एक शख्स ने अंधाधुंध पटाखे चलाए और सीढ़ियों पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। इस इमारत में आव्रजन अदालत और एफबीआई कार्यालय समेत कई महत्वपूर्ण सरकारी दफ्तर हैं। एफबीआई के न्यूयॉर्क फील्ड ऑफिस के सहायक निदेशक जेम्स बार्नेकल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान एंड्रयू अराबाका के रूप में हुई है, जो एक पूर्व अमेरिकी सैनिक है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

हमलावर के पास से क्या-क्या मिला और उसका इरादा क्या था : जांच एजेंसियों के मुताबिक, आरोपी एंड्रयू अराबाका बेहद खतरनाक मंसूबों के साथ वहां पहुंचा था। बार्नेकल ने बताया कि वह लोगों को गंभीर रूप से घायल करने के इरादे से हथियारों से लैस होकर आया था। पुलिस ने उसके पास से एक पेलेट गन (एयरसॉफ्ट राइफल), कई चाकू, एक हथौड़ा और एक धारदार हथियार बरामद किया है। उसने इमारत की तरफ एयरसॉफ्ट राइफल से पांच से सात पेलेट भी दागे। शुरुआती जांच के बाद एफबीआई अधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वह एक अमेरिका-विरोधी और सरकार-विरोधी चरमपंथी है। उसके पास से इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट विरोधी सामग्री भी मिली है।

वारदात की पांच बड़ी बातें : पूर्व सैनिक का खौफनाक कदमः न्यूयॉर्क की फेडरल बिल्डिंग के बाहर आग लगाने वाला आरोपी एंड्रयू अराबाका पूर्व अमेरिकी सैनिक निकला।

घातक हथियारों का जखीरा: हमलावर के बैग से पेलेट गन, चाकू, हथौड़ा, माचे और ज्वलनशील पदार्थ बरामद किया गया।

सरकार विरोधी मानसिकता: एफबीआई ने आरोपी को पूरी तरह से अमेरिका-विरोधी और सरकार-विरोधी चरमपंथी करार दिया है।

जांबाज सुरक्षाकर्मी ने दबोचा: सीढ़ियों पर आग लगाते ही मुस्तैद सुरक्षाकर्मी ने आरोपी को जमीन पर पटक कर हिरासत में ले लिया।

हाई-प्रोफाइल निशाना: जिस 26 फेडरल प्लाजा इमारत को निशाना बनाया गया, वहां खुद एफबीआई का दफ्तर और इमिग्रेशन कोर्ट स्थित है।

ऐसे दबोचा गया आरोपी : यह घटना सुबह करीब 8:20 बजे की है। गृह सुरक्षा विभाग के अनुसार, आरोपी ने इमारत के प्रवेश द्वार की सीढ़ियों पर गैसोलीन उड़ेलकर आग लगा दी। जैसे ही लपटें उठीं, वहां तैनात एक सुरक्षा अधिकारी ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी को दबोच लिया। इस दौरान एक राहगीर पटाखों की चपेट में आकर आंशिक रूप से झुलस गया, जबकि आरोपी को पकड़ने वाले सुरक्षाकर्मी को भी मामूली चोटें आई हैं। दमकल विभाग ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर है।

ट्रंप की टैरिफ रणनीति ने भारत समेत व्यापारिक साझेदारों के साथ अमेरिका की स्थिति को मजबूत किया : जैमीसन ग्रीर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापक टैरिफ (आयात शुल्क) नीति का बचाव करते हुए कहा है कि इससे दुनिया के कई देशों के साथ व्यापार वार्ता में अमेरिका की स्थिति मजबूत हुई है। उनका दावा है कि इस नीति ने भारत समेत कई प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ समझौते आगे बढ़ाने में मदद की है और अमेरिकी विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र को फिर से मजबूत करने की सरकार की कोशिशों को भी गति मिली है। द न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में ग्रीर ने कहा कि टैरिफ नीति के खिलाफ कानूनी चुनौतियां और अर्थशास्त्रियों व कारोबारी संगठनों की आलोचना के बावजूद सरकार की रणनीति सफल साबित हो रही है। जब उनसे पूछा गया कि क्या टैरिफ नीति काम कर रही है, तो उन्होंने कहा, 'बिल्कुल। मुझे लगता है कि हमें बड़ी सफलता मिली है। जब भी आप किसी बड़ी नीति में बदलाव करते हैं और बड़े कारोबारी या विशेष हितों को चुनौती देते हैं, तो विरोध होना तय है। कई लोग पुरानी व्यवस्था बनाए रखना चाहते हैं, लेकिन हम उसे बदलना चाहते हैं।'

ग्रीर ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने तेजी से कदम इसलिए उठाए क्योंकि उसका मानना था कि लगातार बढ़ता अमेरिकी व्यापार घाटा देश की अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर समस्या बन गया है। उनके अनुसार, व्यापक टैरिफ लगाने से अमेरिका को कई देशों के साथ नए व्यापार समझौतों पर बातचीत करने में फायदा मिला। उन्होंने बताया कि

इस नीति की बदौलत अमेरिका ने ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, इंडोनेशिया, भारत और जापान जैसे देशों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत आगे बढ़ाई। ग्रीर ने यह भी स्वीकार किया कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के टैरिफ कार्यक्रम के एक बड़े हिस्से को रद्द कर दिया था। हालांकि उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी रणनीति पर कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमारी नीतियों को अदालत में चुनौती मिलना कोई नई बात नहीं है। हमेशा कुछ लोग ऐसे होंगे जो अमेरिकी कामगारों की कीमत पर अपना फायदा कमाना चाहते हैं और अपने पुराने कारोबारी मॉडल को बचाने के लिए मुकदमे करेंगे। ग्रीर के मुताबिक, प्रशासन अब दूसरे कानूनी विकल्पों के जरिए अपनी व्यापार नीति को आगे बढ़ा रहा है और कई दशकों से चली आ रही अमेरिकी व्यापार व्यवस्था में बड़े बदलाव के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा, 'आखिरकार हम व्यापार नीति बदलने में सफल हो रहे हैं। व्यापार घाटा कम हो रहा है। कंपनियां फिर से अमेरिका में उत्पादन शुरू कर रही हैं। हम वेतन बढ़ाने में सफल हो रहे हैं। हम इन सभी चीजों में सफल हो रहे हैं। इसलिए मैं अपनी मौजूदा स्थिति और आगे की दिशा से खुश हूं।

अमेरिका ने कनाडा पर लगाया 50% टैरिफ, ट्रेड को लेकर दो पड़ोसियों के बीच बढ़ी टेंशन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सैकड़ों कनाडाई प्रोडक्ट्स पर 50 परसेंट का एक्स्ट्रा टैरिफ लगा दिया है. उन्होंने ओटावा पर ऑटोमोबाइल, अल्कोहलिक ड्रिंक्स और डेयरी प्रोडक्ट्स के अमेरिकन एक्सपोर्ट के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया है. इससे नॉर्थ अमेरिका के दो पड़ोसियों के बीच ट्रेड टेंशन और बढ़ गई है.

1930 के टैरिफ एक्ट के सेक्शन 338 को लागू करते हुए ट्रंप ने कुछ खास कनाडाई इंपोर्ट पर नई ड्यूटी लगाने वाले तीन अलग-अलग आदेशों पर साइन किए. व्हाइट हाउस ने कहा कि इस कदम का मकसद कनाडा के अमेरिकी कॉमर्स के साथ भेदभाव वाले बर्ताव से अमेरिकी कॉमर्स पर पड़ने वाले बोझ और नुकसान को कम करना और अमेरिकी एक्सपोर्ट, खासकर कार, शराब और डेयरी प्रोडक्ट के लिए बराबरी के मौके बनाना है. व्हाइट हाउस के मुताबिक टैरिफ साइन करने के 30 दिन बाद लागू होंगे और इस बात पर ध्यान दिए बिना लागू होंगे कि सामान अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा एग्रीमेंट के तहत खास ट्रीटमेंट के लिए क्वालिफाई करता है या नहीं. इन उपायों में एनर्जी, पोटाश, पहले से सेक्शन 232 टैरिफ के तहत आने वाले प्रोडक्ट, मछली, जरूरी मिनरल और कुछ दूसरी खास चीज़ें शामिल नहीं होंगी.

एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि नए टैरिफ कनाडा के कई तरह के इंपोर्ट को कवर करते हैं, जिसमें वाइन और हॉकी स्टिक से लेकर सीमेंट और कंज्यूमर गुड्स तक के प्रोडक्ट शामिल हैं. साथ में दिए गए एनेक्स में सैकड़ों टैरिफ क्लासिफिकेशन की लिस्ट है जिन पर एक्स्ट्रा 50 परसेंट ड्यूटी लगेगी. व्हाइट हाउस ने कहा कि कनाडा ने ऐसी पॉलिसी बनाए रखीं जो अमेरिकी एक्सपोर्टर्स के साथ भेदभाव करती थी, जबकि दूसरे ट्रेडिंग पार्टनर्स को ज़्यादा अच्छा बर्ताव देती थी.

इसमें कहा गया कि कनाडा ने अमेरिकी मोटर गाड़ियों पर टैरिफ और कोटा रिस्ट्रिक्शन लगाए जो दूसरे देशों से इंपोर्ट पर लागू नहीं होते थे और कोटा इस तरह से मैनेज किया जिससे अमेरिकी मैन्युफैक्चरर्स को अमेरिका में फैसिलिटी बढ़ाने के बजाय कनाडाई प्रोडक्शन में इन्वेस्ट करने के लिए बढ़ावा मिला. व्हाइट हाउस ने एक फैक्ट शीट में कहा कि अप्रैल 2025 और मार्च 2026 के बीच पिछले साल इसी समय की तुलना में कनाडा में अमेरिकी मोटर गाड़ियों का इम्पोर्ट लगभग 22 प्रतिशत या 5.6 बिलियन डॉलर कम हो गया, जबकि दूसरे देशों से इम्पोर्ट बढ़कर अमेरिकी एक्सपोर्ट की जगह ले लिया.

व्हाइट हाउस ने अमेरिकी अल्कोहलिक ड्रिंक्स पर लगी पाबंदियों का भी ज़िक्र किया, और कहा कि दो कनाडाई प्रांतों और इलाकों को छोड़कर बाकी सभी ने अमेरिकी अल्कोहल की खरीद, डिस्ट्रीब्यूशन या रिटेल बिक्री रोक दी है, जबकि दूसरे देशों के प्रोडक्ट्स की पहुँच बनाए रखी है. इसने कहा कि मार्च 2025-फरवरी 2026 के समय के दौरान पिछले साल की तुलना में कनाडा में अमेरिकी अल्कोहलिक ड्रिंक्स का इम्पोर्ट लगभग 81 प्रतिशत या 582 मिलियन डॉलर कम हो गया. डेयरी पर एडमिनिस्ट्रेशन ने तर्क दिया कि यूएसएमसीए के तहत चीज के लिए कनाडा का टैरिफ-रेट कोटा सिस्टम, कनाडा-यूरोपियन यूनियन कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक एंड ट्रेड एग्रीमेंट के तहत यूरोपियन यूनियन के समान इंपोर्ट पर लागू कोटा सिस्टम से ज़्यादा रोक लगाने वाला था, जिससे अमेरिकी एक्सपोर्टर कॉम्पिटिटिव रूप से नुकसान में थे. व्हाइट हाउस ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में सिर्फ दो देशों, चीन और कनाडा ने वॉशिंगटन के साथ ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत करने के बजाय ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने का विकल्प चुना था. इसने कहा कि एडमिनिस्ट्रेशन ने 18 ट्रेड डील हासिल की, जिससे अमेरिकी एक्सपोर्ट के लिए नए मार्केट खुले, लेकिन तर्क दिया कि कनाडा ने कनाडाई ट्रेड बैरियर को दूर करने के बजाय अमेरिका के खिलाफ भेदभाव करने का विकल्प चुना.' लेटेस्ट टैरिफ ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन के अपने अमेरिका फर्स्ट इकोनॉमिक एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए ट्रेड उपायों के इस्तेमाल में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

नैनीताल के पास बसा ये हिल स्टेशन जन्नत से नहीं है कम, खूबसूरत नजारे देख बन जाएगा आपका दिन

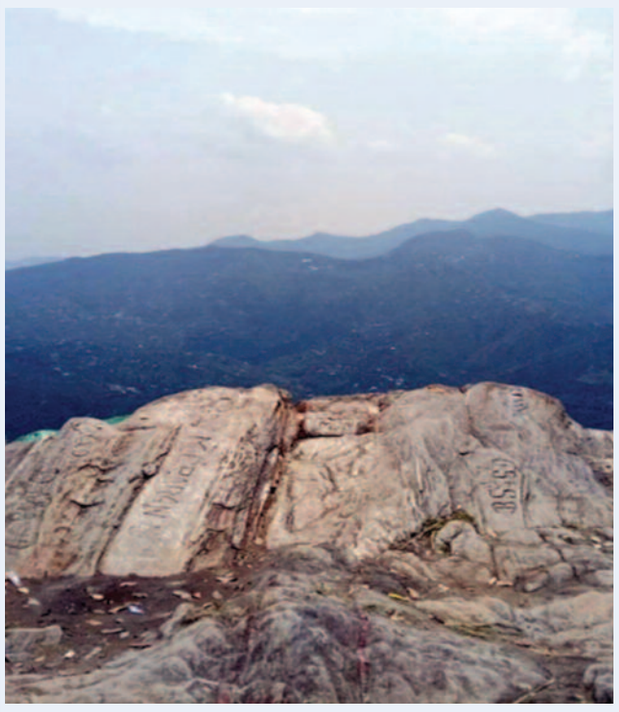

दिल्ली से करीब 300 किमी की दूरी पर नैनीताल स्थित है। जोकि उत्तराखंड का फेमस और खूबसूरत हिल स्टेशन है। गर्मी से लेकर मानसून के समय भी दिल्ली एनसीआर वाले नैनीताल में वीकेंड पर जाते हैं। नैनीताल अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। लेकिन जब पर्यटक नैनीताल मौज-मस्ती के लिए पहुंचते हैं, तो सिर्फ नैनीताल की फेमस जगहों को एक्सप्लोर करके चले जाते हैं। लेकिन यहां से काफी पास में स्थित मुक्तेश्वर जैसी अद्भुत जगह को एक्सप्लोर करना भूल जाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थित मुक्तेश्वर की खासियत से लेकर इसकी खूबसूरती और आसपास में स्थित कुछ बेहतरीन और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

उत्तराखंड में मुक्तेश्वर

मुक्तेश्वर नैनीताल जिले में स्थित एक खूबसूरत और मनमोहक गांव है। जोकि मुख्य शहर से करीब 48 किमी दूर है। हालांकि मुक्तेश्वर को कई लोग एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन मानते हैं। यह अल्मोड़ा से करीब 42 किमी दूर स्थित है। वहीं भीमताल से यह जगह 42 किमी दूर है।

क्यों फेमस है मुक्तेश्वर

मुक्तेश्वर गांव उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थित है और कई खास चीजों के लिए फेमस है। मुक्तेश्वर सबसे ज्यादा मुक्तेश्वर मंदिर के लिए जाना जाता है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक भगवान शंकर ने इस जगह एक राक्षस का वध किया था।

यहां की पौराणिक मान्यताओं के अलावा शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। मुक्तेश्वर, नैनीताल या फिर अल्मोड़ा की तुलना में कम भीड़-भाड़ वाली जगह है। यहां पर आप घने जंगल, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, घास के मैदान और झील-झरने मुक्तेश्वर की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं।

मुक्तेश्वर पर्यटकों के लिए है खास

पर्यटकों के लिए मुक्तेश्वर किसी जन्नत से कम नहीं है। खासकर यहां की प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों को सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। यहां पर आपको नैनीताल से काफी कम भीड़ मिलेगी। इसलिए एकांत की तलाश करने वाले लोगों के लिए मुक्तेश्वर जन्नत से कम नहीं है।

आप यहां की खूबसूरती को निहारने के साथ ही एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं। मुक्तेश्वर की वादियों में रॉक क्लाइम्बिंग से लेकर रैपलिंग, कैंपिंग और ट्रेकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं।

घूमने की बेस्ट जगहें

मुक्तेश्वर मंदिर

मुक्तेश्वर में पहुंचकर आप सबसे पहले मुक्तेश्वर मंदिर के दर्शन कर सकते हैं। जोकि भगवान शिव को समर्पित है। आप यहां पर ट्रेकिंग करके पहुंच सकते हैं।

चौली की जाली

चौली की जाली को नेचर लवर्स के लिए जन्नत माना जाता है। आप यहां से हिमालय की खूबसूरती को करीब से निहार सकते हैं।

भालू गढ़ वॉटरफॉल

मुक्तेश्वर से कुछ ही किमी की दूरी पर भालू गढ़ वॉटरफॉल एक फेमस पिकनिक स्पॉट है। बारिश के मौसम में इस वॉटरफॉल की खूबसूरती देखने लायक होती है।

ऐसे पहुंचे नैनीताल से मुक्तेश्वर

बता दें कि नैनीताल से मुक्तेश्वर पहुंचना बेहद आसान है। इसके लिए आप नैनीताल बस स्टैंड से टैक्सी या फिर कैब से पहुंच सकते हैं। इसके साथ ही आप रेंट पर स्कूटी लेकर भी मुक्तेश्वर पहुंच सकते हैं।

भीड़भाड़ से दूर इन ऑफबीट हिल स्टेशन पर बनाएं घूमने का प्लान, सुकून की तलाश भी होगी पूरी

शहरों की गर्मी और उमस से परेशान होकर लोग पहाड़ों का रुख कर रहे हैं। लेकिन इस समय मसूरी, ऋषिकेश और नैनीताल जैसे फेमस हिल स्टेशन के समय भारी ट्रैफिक और भीड़ से खचाखच भरे हैं। वीकेंड पर तो यहां का हाल और भी बुरा हो जाता है। क्योंकि हजारों की संख्या में लोग गर्मियों में यहां की ओर निकल पड़ते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या आप पहाड़ों पर जाने पर भी क्या सुकून मिलेगा।

दिल्ली एनसीआर के लोगों के लिए मसूरी, नैनीताल और ऋषिकेश सस्ते और जल्दी पहुंचने वाले हिल स्टेशन हैं। लेकिन इन जगहों पर भारी ट्रैफिक और भीड़ मिलने के कारण लोगों की छुट्टियां का मजा किरकिरा हो रहा है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऑफबीट डेस्टिनेशन के बारे में बताने जा रहे हैं। जोकि फेमस तो हैं, लेकिन यहां पर आपको भीड़भाड़ नहीं मिलेगी।

कौड़ियाला

अगर आप मसूरी के आसपास कोई शांत जगह ढूंढ रहे हैं, तो आप कौड़ियाला जा सकते हैं। ऋषिकेश से कौड़ियाला करीब 38 किमी दूर है। आपको यहां पर ऋषिकेश जैसा ट्रैफिक देखने को नहीं मिलेगा। आप यहां पर कैंपिंग कर सकते हैं और सुकून के कुछ पल बिता सकते हैं। पहाड़ों पर शांति का एहसास लेना एक अलग अनुभव है। इसलिए आपको ऐसी जगह पर जाने का प्लान बनाना चाहिए, जहां पर ज्यादा लोगों की भीड़ नहीं होती है।

देवप्रयाग

देवप्रयाग भी घूमने के लिहाज से एक अच्छी जगह है। मसूरी-नैनीताल और ऋषिकेश की भीड़ से बचने के लिए आप

देवप्रयाग में सुकून और शांति का एहसास ले सकते हैं। आप यहां पर सुबह-सुबह संगम स्थल पर पानी के किनारे बैठ सकते हैं। फिर यहां पर शाम की आरती में शामिल हो सकते हैं। वहीं देवप्रयाग के पास में स्थित धारी देवी के दर्शन के लिए जा सकते हैं।

भीमताल

अगर आप नैनीताल के आसपास कोई शांत जगह की तलाश कर रही हैं, तो भीमताल बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। पहाड़ों पर घूमने का प्लान बना रहे लोगों को रास्ते में मिलने वाला ट्रैफिक परेशान कर सकता है। लेकिन भीमताल पहुंचने के बाद आपको सुकून का एहसास होगा। भले ही आपको घूमने के लिए यहां पर ज्यादा जगहें नहीं मिलेंगी। लेकिन भीड़ और ट्रैफिक से राहत मिलेगी। नैनीताल से भीमताल की दूरी करीब 24 किमी की दूरी स्थित है। यहां पर पहुंचने में करीब 1 घंटे का समय लगेगा।

मसूरी से 84 किमी दूर यह हिल स्टेशन प्रकृति प्रेमियों के लिए है स्वर्ग, आप भी प्लान करें ट्रिप

देहरादून से करीब 33 किमी दूर स्थित मसूरी उत्तराखंड का एक फेमस और खूबसूरत हिल स्टेशन है। दिल्ली एनसीआर से लेकर देश के अन्य कई राज्यों से भी पर्यटक मसूरी घूमने के लिए पहुंचते हैं। कुछ लोग मसूरी की कुछ फेमस जगहें हैप्पी वैली या धनौल्टी को एक्सप्लोर करते हैं। लेकिन 85 किमी दूर स्थित बरनीगढ़ जैसी बेहतरीन और अद्भुत जगह को भूल जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी मसूरी जाने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको बरनीगढ़ को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बरनीगढ़ की खासियत से लेकर इसकी खूबसूरती और आसपास मौजूद कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

कहां है बरनीगढ़

बरनीगढ़ की खासियत और इस जगह की खूबसूरती को जानने से पहले आपको बता दें कि इस जगह को कई लोग बर्नीगाड और बरनीगाड के नाम से भी जाना जाता है। यह उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में पड़ता है। यह उत्तरकाशी जिले से करीब 32 किमी दूर है।

बरनीगढ़ मसूरी और चकराता हिल स्टेशन से लगभग 108 किमी, बड़कोट से 35 किमी और देहरादून से करीब 129 किमी दूरी पर स्थित है।

आप चाहें को वीकेंड पर बरनीगढ़ को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

क्यों फेमस है बनीरगढ़

मसूरी और देहरादून की भीड़-भाड़ से दूर शांत बरनीगढ़ को शांत और मनमोहक वादियों के लिए जाना जाता है। यह उत्तरकाशी जिले का एक छिपा हुआ खजाना माना जाता है। मानसून में यहां की खूबसूरती देखने लायक होती है।

यहां पर घास के मैदान, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, नदी और झरने आदि बरनीगढ़ की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं। अपनी खूबसूरती के कारण यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग मानी जाती है। बरनीगढ़ उत्तराखंड की पारंपरिक लाइफस्टाइल के लिए जाना जाता है।

पर्यटकों के लिए खास है बरनीगढ़

यह जगह पर्यटकों के लिए कई चीजों के लिए फेमस माना जाता है। जो लोग मसूरी की भीड़ या ट्रैफिक आदि में नहीं फंसना चाहते हैं, तो उनके लिए बरनीगढ़ जन्नत की तरह माना जाता है। यह जगह अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए भी जाना जाता है। बरनीगढ़ अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर प्रेमियों के लिए परफेक्ट माना जाता है। यहां पर आप हाइकिंग, ट्रेकिंग और कैम्पिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। साथ ही आप बरनीगढ़ में यादगार फोटोग्राफी भी कर सकते हैं।

आसपास घूमने की जगहें

आप बरनीगढ़ में पांडव निर्मित प्राचीन शिव मंदिर के साथ बरनीगढ़ व्यू पॉइंट देख सकती हैं। बरनीगढ़ के आसपास आप खाबला गांव, लाखा मंडल मंदिर, नौवगांव, कलोगी गांव और देवल व्यू पॉइंट जैसी बेहतरीन और शानदार जगहों को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

ऐसे पहुंचे मसूरी से बरनीगढ़

बता दें कि मसूरी से बरनीगढ़ पहुंचना काफी आसान है। आप मसूरी में गांधी चौक से कैब या टैक्सी लेकर जा सकती हैं। या आप चौक से स्कूटी रेंट पर लेकर बरनीगढ़ पहुंच सकती हैं। स्कूटी का प्रतिदिन का किराया 500 रुपए के आसपास होता है।

दिल्ली से 400 किमी दूर यह हिल स्टेशन स्वर्ग से नहीं है कम, वीकेंड पर बनाएं ट्रिप का प्लान

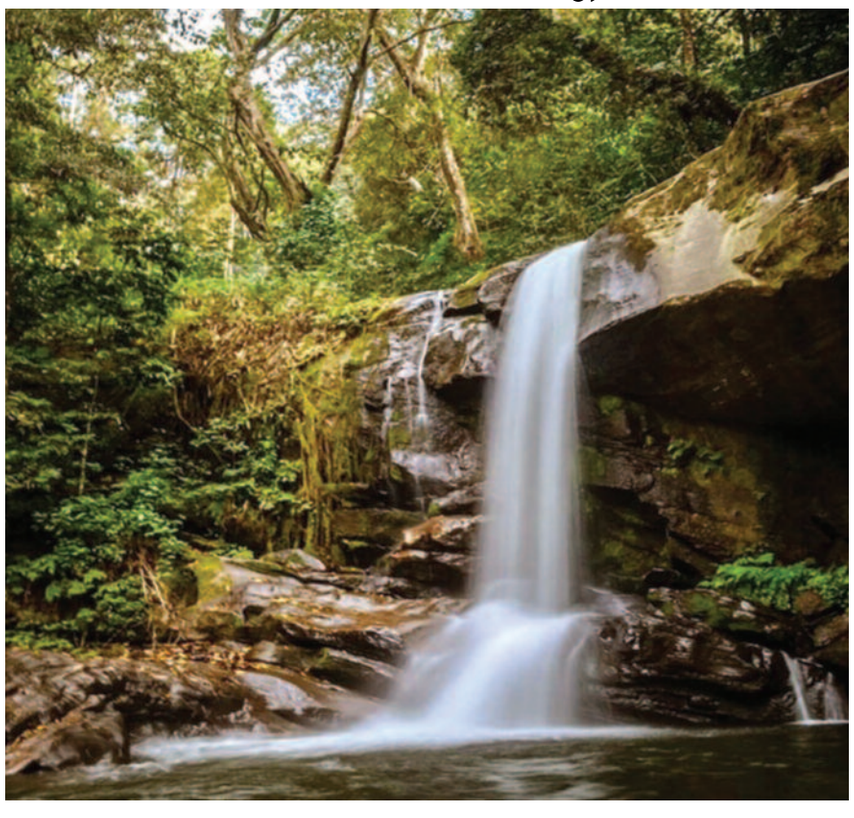

जब भी लोग हिल स्टेशन की बात करते हैं, तो शिमला, मसूरी और मनाली जैसे नाम जहन में आते हैं। लेकिन इन जगहों पर पर्यटकों की भीड़ होती है, ऐसे में अगर आप शांत और प्राकृतिक खूबसूरती की तलाश में हैं, तो हिमाचल प्रदेश की कम जानी-पहचानी लेकिन बेमिसाल जगह बरोट घाटी घूमने के लिए जा सकते हैं। दिल्ली से बरोट घाटी की दूरी करीब 400 किमी है। यह जगह इतनी शांत, हरी-भरी और सूरम्य है कि आप यहां पर पहुंचकर कहेंगे कि यह असली स्वर्ग है।

बरोट घाटी में बहुत शांति है और यहां का नजारा बेहद सुंदर, प्रकृति के करीब और झरनों की आवाज से भरी है। यहां पर इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क सीमित है। जिससे आप रिलैक्स कर सकते हैं। यहां के सस्ते होमस्टे, सादगी भरे और हिमाचली संस्कृति से जुड़े होते हैं। आप सिर्फ दो दिन के वीकेंड ट्रिप पर हिमाचल प्रदेश के बरोट घाटी को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कहां है बरोट घाटी

बता दें कि हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बरोट घाटी स्थित है। इसको %मिनी स्विटजरलैंड% भी कहा जाता है। हालांकि यह एक ऑफबीट डेस्टिनेशन है। जो कि घने देवदार के जंगल, झरने, उहल नदी और ट्रेकिंग ट्रेल्स के लिए जाना जाता है। यहां पर घूमने के सबसे अच्छा समय मार्च से जून और सर्दियों में अक्तूबर से नवंबर के बीच होता है।

ऐसे पहुंचे बरोट घाटी

राजधानी दिल्ली से बरोट घाटी की दूरी करीब 400-450 किमी है। हालांकि यहां पहुंचना सस्ता, आसान और एडवेंचर से भरा है। यहां आने के लिए ट्रेन या बस से पठानकोट या फिर जोगिंदरनगर तक जा सकते हैं। फिर आगे का रास्ता आपको टैक्सी से तय करना होगा।

सबसे पहले दिल्ली के कश्मीरी गेट बस अड्डे से एचआरटीसी की बस से जोगिंदर नगर पहुंचे। इसका किराया 800-900 रुपए हो सकता है। रात की बस लें, जिससे कि सुबह तक जोगिंदर नगर पहुंच जाएं। अब जोगिंदर नगर में पहुंचकर ब्रेकफास्ट करें और फिर बरोट घाटी के लिए स्थानीय बस से यात्रा करें। जोकि सुबह के समय आसानी से मिल जाती है। इसका किराया करीब 80 रुपए होगा। जोगिंदर नगर से बरोट घाटी की दूरी करीब 30 किमी है।

बरोट घाटी ट्रिप की योजना

ट्रिप के पहले दिन दोपहर तक जोगिंदर नगर पहुंचकर होम स्टे में फ्रेश होकर घूमने के लिए निकल जाएं। पहले दिन आप ब्रिटिश काल का डैम देखने के लिए जा सकते हैं। यह डैम अंग्रेजों के समय का बना है, जो आज भी अपनी सुंदरता और इंजीनियरिंग से चौंकाता है।

इसके बाद आप प्राकृतिक फव्वारा और आसपास के गांव की सैर करने जा सकते हैं। यहां पर छोटे-छोटे गांव, साफ हवा और पगडंडियों के बीच घूमना मन को शांति देता है। फिर वापस आकर होम स्टे में आराम करें।

यहां घूमें दूसरे दिन

अगले दिन सुबह जल्दी उठकर लापास जलप्रपात के लिए निकल जाएं। साथ ही यहां पर झरने के पास बैठकर चाय और मैगी का लुत्फ उठाना न भूलें। इसके अलावा पास का लापास गांव भी घूमें। जहां पर आपको अनोखा देसी हीटर देने को मिलेगा।

लापास गांव से लौटने के दौरान शॉर्टकट रास्ते से चोकड़ी बारोट वैली जाएं। यहां पर रास्ते में आपको घाटियां, घने देवदार के जंगल और एक बहती हुई जलधारा आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। नेचुरल फ्रीजर और ट्राउट फिश फार्म जैसे कई अनूठे नजारे आपकी इस ट्रिप को यादगार बना देंगे।

इस ट्रिप के दौरान बरोट की अनोखी विरासत के दीदार करना न भूलें। यहां पर एक ऐसी पुरानी कोठी डॉटर्स हाउस है, जिसको ब्रिटिश दौर में एक बेटी को उपहार दिया गया था। वर्तमान समय में यह कोठी टूरिस्ट होमस्टे में बदल चुकी है। आप चाहें तो यहां रुक भी सकते हैं।

डीएवी के छात्र ध्रुव ने नीट-यूजी परीक्षा में पाई सफलता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डीएवी पब्लिक स्कूल के छात्र ध्रुव कुमार ने नीट-यूजी परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता पर विद्यालय परिवार और अभिभावकों ने खुशी जताई। प्रधानाचार्य नितिन भाटिया ने कहा कि ध्रुव की उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम, अनुशासित अध्ययन और शिक्षकों व अभिभावकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक साबित होगी। विद्यालय परिवार ने ध्रुव कुमार और उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं दीं।

कचरे ने रोकी पानी की राह

हल्द्वानी। पहाड़ों में हुई बारिश के बाद गौला बैराज में पहुंची सिल्ट ने पेयजल उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ा दी। मंगलवार को शीशमहल फिल्टर प्लांट को पानी की आपूर्ति करने वाली नहर की जाली में कचरा फंस गया। इसकी सफाई के लिए सिंचाई विभाग ने सुबह 10 बजे से बैराज के दो गेट खोले। इस कारण शीशमहल प्लांट चार घंटे ठप रहा और 50 से 60 हजार की आबादी पानी के लिए तरसती रही।

डेढ़ लाख की आबादी हो होती है आपूर्ति

शीशमहल फिल्टर प्लांट से रोजाना डेढ़ लाख से अधिक की आबादी को सुबह, दोपहर और शाम को पानी की आपूर्ति की जाती है। गौला से पानी मिलने के बाद इसे फिल्टर करने के बाद लाइनों में छोड़ा जाता है। घंटों पानी बंद होने से शाम को बरेली रोड, ऊंचापुल, बिठौरिया, रामपुर रोड आदि दूरदराज वाले क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति प्रभावित रही।

प्रभावित भूमि और भालू से खतरे का मुद्दा उठाया

उत्तरकाशी। विकासखंड भटवाड़ी के राजकीय इंटर कॉलेज मानपुर में आयोजित सेवा पखवाड़ा शिविर में ग्रामीणों ने निर्माणाधीन स्वास्थ्य केंद्र से कृषि भूमि को हो रहे नुकसान और क्षेत्र में बढ़ते भालू की दहशत बताई। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य केंद्र निर्माण से प्रभावित काश्तकारों को राहत दिलाने और वन्यजीवों से सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस जनसेवा शिविर की अध्यक्षता राज्यमंत्री प्रताप सिंह पंवार ने की। ब्लॉक प्रमुख ममता पंवार और उपजिलाधिकारी शालिनी नेगी ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को जल्द समाधान के निर्देश दिए।

सितंबर तक पूरा करें हेमकुण्ड रोपवे परियोजना का फील्ड सर्वे, भूमि अधिग्रहण में लाएं तेजी : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को पिटकुल, हेमकुण्ड रोपवे, बीआरओ, एनएचआईडीसीएल, यूएसडीए एवं लोक निर्माण विभाग से संबंधित भूमि हस्तांतरण प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की महत्त्वपूर्ण विकास परियोजनाओं के लिए आवश्यक भूमि हस्तांतरण की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।हेमकुण्ड रोपवे परियोजना की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने अवगत कराया कि परियोजना का सम्पूर्ण लिडार (लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग) सर्वे पूर्ण हो चुका है। साथ ही गोविंदघाट से घांघरिया तक रोपवे का अलाइनमेंट भी तैयार कर लिया गया है तथा भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया प्रगति पर है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सितंबर माह तक परियोजना का सम्पूर्ण फील्ड सर्वे हर हाल में पूरा कर लिया जाए, ताकि शीतकाल के दौरान प्रतिकूल मौसम एवं दुर्गम परिस्थितियां शुरू होने से पूर्व आवश्यक कार्य पूर्ण किए जा सकें और परियोजना के क्रियान्वयन में किसी प्रकार का विलंब न हो। पिटकुल से संबंधित भूमि हस्तांतरण प्रकरणों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने हाटसारी क्षेत्र में लंबित भूमि हस्तांतरण प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए टीएचडीसी एवं पिटकुल की संयुक्त बैठक आयोजित कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

बैडमिंटन ओपन वर्ग में स्वस्ति और स्नेहा की शानदार जीत

उत्तरकाशी। स्व. सौरभ भट्ट की पुण्य जयंती पर सौरभ फाउंडेशन की ओर से आयोजित बैडमिंटन टूर्नामेंट सीजन–3 के तीसरे दिन ओपन वर्ग के मुकाबलों की शुरुआत उत्साह और रोमांच के बीच हुई। गर्ल्स सिंगल्स वर्ग में खेले गए मुकाबलों में स्वस्ति राणा और स्नेहा ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज कर अगले दौर में अपनी जगह पक्की की।

पहले मुकाबले में स्वस्ति राणा ने इशिका को सीधे सेटों में 21–17 और 21–16 से पराजित किया। पूरे मैच के दौरान स्वस्ति ने बेहतर नियंत्रण और सटीक शॉट्स का प्रदर्शन करते हुए मुकाबला अपने नाम किया। वहीं दूसरे मुकाबले में स्नेहा ने पिहू के खिलाफ शानदार खेल दिखाया और 21–16, 21–18 से जीत हासिल कर अगले चरण में प्रवेश किया।

सौरभ फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ना, उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करना और उन्हें स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। आयोजकों का कहना है कि प्रतियोगिता के माध्यम से खेल भावना, अनुशासन और फिटनेस के प्रति युवाओं में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

उत्तरकाशी और पुरोला में निकाला विशाल जुलूस

उत्तरकाशी/पुरोला। उत्तरकाशी नगर क्षेत्र में बुधवार को कॉलेज के छात्रों, विभिन्न सामाजिक संगठनों, यूकेडी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से रैली निकालकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची जहां प्रदर्शनकारियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन भेजा।

जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह रावत ने आरोप लगाया कि सरकार युवाओं की आवाज सुनने के बजाय दमनकारी रवैया अपना रही है और लोकतांत्रिक विरोध को दबाने का प्रयास कर रही है। प्रदर्शन करने वालों में मनीष राणा, विजेंद्र नौटियाल, नवीन भंडारी, सुधीश पंवार, छात्रसंघ अध्यक्ष विनय मोहन चौहान, रोहित राणा, शुभम चमोली, संतोष, शालिनी रावत, आयुष बिष्ट आदि थे। उधर, पुरोला में जिला कांग्रेस कमेटी यमुना घाटी के कार्यकर्ताओं ने ब्लॉक अध्यक्ष धिरेन्द्र नेगी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का पुतला दहन कर बाजार में जुलूस निकाला। इसके बाद तहसील परिसर पहुंचकर उपजिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में जंतर–मंतर की घटना की उच्चस्तरीय जांच, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई, कथित पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच मांग की गई। प्रदर्शनकारियों में कांग्रेस के धीरेंद्र नेगी, कविन्द्र असवाल, जगबीर रावत, जयेन्द्र रावत, हरिकृष्ण, नरेश चौहान, संदीप रावत, प्रशांत नेगी, गोपाल कैंतुरा शामिल थे।

हेमकुंड साहिब रोपवे सर्वे सितंबर तक पूरा करने के निर्देश

गोपेश्वर। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने हेमकुंड साहिब रोपवे परियोजना के फील्ड सर्वे का कार्य सितंबर माह तक हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सर्दियों में प्रतिकूल मौसम और दुर्गम परिस्थितियां शुरू होने से पहले सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएं ताकि परियोजना के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की देरी न हो। बृहस्पतिवार को जिला सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में डीएम ने पिटकुल, बीआरओ, एनएचआईडीसीएल, यूएसडीए, लोनिवि तथा हेमकुंड साहिब रोपवे परियोजना से जुड़े भूमि हस्तांतरण मामलों की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि रोपवे परियोजना का लिडार (लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग) सर्वे पूरा हो चुका है तथा गोविंदघाट से घांघरिया तक अलाइनमेंट भी तैयार कर लिया गया है। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है। डीएम ने हाटसारी क्षेत्र में लंबित भूमि हस्तांतरण प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए टीएचडीसी और पिटकुल की संयुक्त बैठक करने के निर्देश दिए। नंदानगर क्षेत्र से जुड़े भूमि हस्तांतरण मामले में 10 दिनों में प्रस्ताव तैयार करने को कहा। साथ ही बीआरओ से संबंधित सिमली–ग्वालदम, ज्योतिर्मठ–मारवाड़ी, माणा पास, ज्योतिर्मठ–सुराईथोटा और कुरकुटी–गमशाली मार्गों के भूमि हस्तांतरण मामलों में भी प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने भूमि अभिलेखों से जुड़ी औपचारिकताओं का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में एडीएम विवेक प्रकाश, जिला पर्यटन विकास अधिकारी अरविंद गौड़, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे ।

महिलाओं को स्वावलंबी बनाने का काम कर रही है भाजपा सरकार : महाराज

लखपति दीदी सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में 48 लखपति दीदी सम्मानित

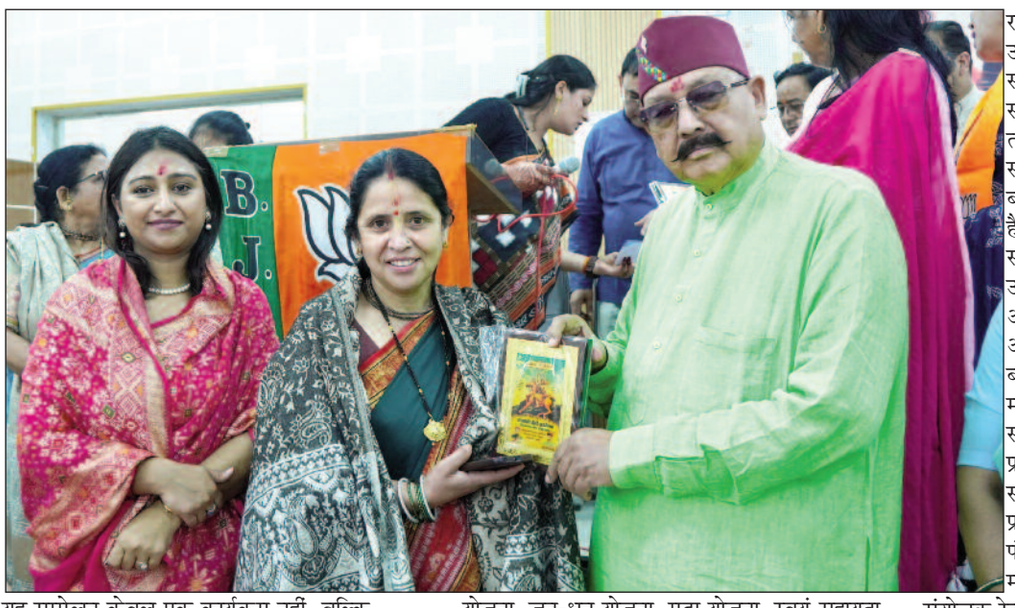

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : लखपति दीदी योजना का उद्देश्य केवल महिलाओं की आय बढ़ाना नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और समाज में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए सक्षम बनाना भी है। आज देशभर में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी करोड़ों महिलाएं अपने परिश्रम और कौशल के बल पर परिवार और समाज की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही हैं। सरकार का संकल्प है कि महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएं। जब हमारी मातृशक्ति सशक्त होगी, तभी उत्तराखंड और भारत सशक्त बनेगा।

उक्त बात प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने बुधवार को एकेश्वर (पणखेत) विकासखंड मुख्यालय पर भाजपा महिला मोर्चा द्वारा आयोजित ह्लखपति दीदी सम्मेलनह्व को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर विधानसभा क्षेत्र चौबटाखाल के अंतर्गत विभिन्न विकासखण्डों से 48 लखपति दीदी बनी महिलाओं को सम्मानित किया गया। इसके अलावा तीलू रौतेली पुरस्कार से सम्मानित नूतन तनू पंत सहित 48 ऐसी वरिष्ठ महिलाओं को भी सम्मानित किया गया जो समाज में किसी न किसी रूप में सेवा कार्य कर रही हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिलाओं के आर्थिक, सामाजिक और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक ऐतिहासिक योजनाएं संचालित की गई हैं। उज्ज्वला योजना, जन-धन योजना, मुद्रा योजना, स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहन, ह्लनमो ड्रोन दीदी योजनाह्व और विशेष रूप से ह्लखपति दीदी सम्मेलनह्व अभियान के द्वारा लाखों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। श्री महाराज ने कहा कि उत्तराखंड की मातृशक्ति सदैव परिश्रमी, संघर्षशील और साहसी रही है। पहाड़ की महिलाएं खेती, पशुपालन, उद्यम और परिवार की जिम्मेदारियों का सफलता पूर्वक निर्वहन करती हैं। अब समय आ गया है कि हम उन्हें आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण, विपणन और वित्तीय सहायता से जोड़कर और अधिक सशक्त बनाएं। उन्होंने कहा कि सरकार कि प्रयास है कि प्रदेश कि अधिक से अधिक बहनें स्वयं सहायता समूहों से जुड़ें, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दें, स्वरोजगार अपनाएं और ह्लवोकल फॉर लोकलह्व के माध्यम से अपने उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाएं। इस मौके पर भाजपा महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष एकेश्वर सीमा सजवाण, मोहिना रावत, जिला अध्यक्ष पौड़ी प्रमिला भण्डारी, महिला मोर्चा गढ़वाल संयोजक प्रभारी रेखा डंगवाल, जिला सह प्रभारी सुनीता कोटनाला, पौड़ी जिला पंचायत अध्यक्ष रचना बुटोला, महामंत्री महिपाल सिहं नेगी, लखपति दीदी सम्मेलन संयोजक रेनू घिल्डियाल, सतपुली मंडल अध्यक्ष पुष्पा असवाल, पोखडा मंडल अध्यक्ष नीलम रावत, बीरोंखाल मंडल अध्यक्ष मीना गुसांई, भाजपा मण्डल अध्यक्ष राकेश नैथानी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री मधुबाला और रजनी मौर्या ने किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना की पात्रता सूची पर उठे सवाल

पुरोला। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पात्र लाभार्थियों के चयन को लेकर पुरोला विकासखंड में सवाल उठने लगे हैं। योजना की प्रकाशित पात्रता सूची में कथित अनियमितताओं के आरोप सामने आने के बाद पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और वास्तविक पात्र लोगों को योजना का लाभ दिलाने की मांग की है।

बताया गया है कि योजना का उद्देश्य आवासहीन और कच्चे मकानों में रहने वाले जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना है। इसके लिए विकासखंड की विभिन्न ग्राम पंचायतों में सर्वेक्षण कर पात्र लाभार्थियों की सूची तैयार की गई थी लेकिन अंतिम सूची प्रकाशित होने के बाद कई ग्राम पंचायतों में वास्तविक पात्र लोगों के नाम सूची से बाहर होने और अपात्र व्यक्तियों के नाम शामिल किए जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं।मांग की गई है कि प्रकाशित पात्रता सूची को प्रत्येक ग्राम पंचायत भवन में सार्वजनिक रूप से चस्पा किया जाए ताकि ग्रामीण स्वयं सूची का अवलोकन कर सकें। साथ ही सूची तैयार करने वाले संबंधित कर्मचारियों से खंड विकास अधिकारी के समक्ष प्रत्येक चयनित लाभार्थी की पात्रता का आधार स्पष्ट कराया जाए। इसके अलावा अपात्र लोगों को सूची में शामिल किए जाने के आरोपों की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों से स्पष्टीकरण लिया जाए।

मलबा आने से केदारनाथ पैदल मार्ग अस्थायी रूप से बाधित, मार्ग खोलने का कार्य युद्धस्तर पर जारी

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : बुधवार को प्रातः 06 बजे सूचना प्राप्त हुई कि गौरीकुंड से लगभग एक किलोमीटर आगे छोड़ी के समीप केदारनाथ पैदल मार्ग पर पत्थर एवं मलबा आने के कारण मार्ग अस्थायी रूप से अवरुद्ध हो गया है। सूचना मिलते ही जिला आपदा परिचालन केंद्र द्वारा तत्काल सेक्टर अधिकारी, गौरीकुंड को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्हें सुरक्षित स्थानों पर रोक दिया गया है।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि मार्ग को जल्द से जल्द खोलने के लिए सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें सुरक्षित स्थानों पर रोका गया है तथा स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि मौके पर डीडीआरएफ, वाईएमएफ, आपदा मित्र, एमपीएफ तथा पुलिस की टीमें पूरी मुस्तैदी के साथ राहत एवं सुरक्षा कार्यों में लगी हुई हैं। इसके अतिरिक्त एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की टीमों को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल उनकी सेवाएं ली जा सकें। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे धैर्य बनाए रखें, प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा अफवाहों पर ध्यान न दें। मार्ग पूरी तरह सुरक्षित होने के बाद ही यात्रियों की आवाजाही पुनः शुरू की जाएगी।

दाम इतने कम कि बेचने से ज्यादा नुकसान

पुरोला। उत्तरकाशी की रवाईं घाटी में इस बार टमाटर की अच्छी पैदावार किसानों के लिए खुशहाली नहीं बल्कि आर्थिक संकट का कारण बन गई है।

मंडियों में टमाटर के औने–पौने दाम और लगातार बढ़ती परिवहन लागत ने किसानों को ऐसी स्थिति में ला खड़ा किया है कि वे अपनी मेहनत की फसल को मंडी तक पहुंचाने के बजाय सड़कों पर फेंकने और खेतों में सड़ने के लिए छोड़ने को मजबूर हैं।

किसानों का कहना है कि टमाटर को मंडियों तक पहुंचाने में वाहन किराया, मजदूरी, पैकिंग और अन्य खर्च बिक्री से मिलने वाली रकम से कहीं अधिक पड़ रहा है। ऐसे में फसल बेचने पर भी नुकसान ही हाथ लग रहा है। यही वजह है कि कई किसान टमाटर खेतों में ही छोड़ रहे हैं जबकि कई सड़कों पर फेंकने को विवश हैं।

टमाटर उत्पादक किसान हरदेव सिंह, प्रदीप सिंह, धर्मेंद्र, सोवेंद्र सिंह और राजेंद्र सिंह ने बताया कि उन्होंने खेती के लिए बैंकों और सहकारी समितियों से ऋण लिया है। बेहतर उत्पादन के बावजूद उचित मूल्य नहीं मिलने से अब कृषि ऋण चुकाना मुश्किल हो गया है। खेती से होने वाली आय पर ही परिवार का भरण–पोषण, बच्चों की पढ़ाई और रोजमर्रा के खर्च निर्भर हैं, लेकिन मौजूदा हालात ने उनकी आर्थिक स्थिति को गंभीर संकट में डाल दिया है।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल का कारावास

नैनीताल। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो)/अपर सत्र न्यायाधीश सविता चमोली की अदालत ने किशोरी से आठ माह तक दुष्कर्म करने के मामले में पॉक्सो कोर्ट ने दोषी को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही पीड़िता को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से चार लाख रुपये का मुआवजा देने के आदेश भी दिए हैं। मामला जून 2023 से जनवरी 2024 के बीच का है। विशेष अभियोजन अधिकारी ने कोर्ट को बताया कि आरोपी गोविंद सिंह गैड़ा (30) पीड़िता की मां से मिलने उसके घर आता था। पीड़िता मां के साथ अलग रहती थी। आरोपी ने शादी का झांसा देकर नाबालिग के साथ कई बार दुष्कर्म किया ।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

जंतर–मंतर पर छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

गोपेश्वर। दिल्ली में जंतर–मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज के विरोध में बुधवार को चमोली जिला कांग्रेस कमेटी ने गोपेश्वर नगर के तिराहे पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए घटना की कड़ी निंदा की और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुरेश कुमार डिमरी ने कहा कि छात्र–छात्राओं पर पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई लोकतंत्र पर हमला है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री और गृह मंत्री नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दें। महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष उमा रावत ने आरोप लगाया कि जंतर–मंतर पर प्रदर्शन कर रही महिलाओं और छात्राओं के साथ पुलिस ने क्रूरता दिखाई। इस दौरान नगर अध्यक्ष धीरेंद्र गरोड़िया, पीसीसी सदस्य अरविंद नेगी, आनंद सिंह पंवार, संदीप झिंक्वाण, कमल रतूड़ी, जिला प्रवक्ता तेजवीर कंडेरी, गिरीश आर्य, कुंवर सिंह भंडारी, जिला प्रेस मीडिया प्रभारी गोविंद सजवाण, विजय हिंदवाल आदि मौजूद रहे।

जर्जर कालीकमली धर्मशाला का टीम ने किया निरीक्षण

कर्णप्रयाग। नगर पालिका के अपर बाजार में स्थित जर्जर कालीकमली धर्मशाला का तहसील प्रशासन, नगर पालिका, लोनिवि ने संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने धर्मशाला की जर्जर स्थिति पर चिंता जताई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से धर्मशाला के संरक्षण करने की मांग की। टीम ने कहा कि निरीक्षण की रिपोर्ट तैयार की जाएगी जिसके बाद संस्था को पत्र लिखकर इसके संरक्षण के लिए कहा जाएगा। वर्ष 1903 में बनाई गई बाबा कालीकमली धर्मशाला चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों के रुकने का एकमात्र साधन था। यहां करीब 40 कमरों में यात्री ठहरते थे। मगर संस्था की ओर से नियमित देखरेख न होने से धर्मशाला दिन–प्रतिदिन जर्जर होती जा रही थी। वर्तमान में धर्मशाला में जगह–जगह दीवारों पर दरारें पड़ चुकी हैं। बुधवार को एक संयुक्त टीम ने इसका निरीक्षण किया। टीम ने देखा कि धर्मशाला की स्थिति काफी खराब हो गई है। व्यापार संघ अध्यक्ष अनिल खंडूड़ी, बुजुर्ग महेंद्र प्रसाद गैरोला, पुष्कर गैरोला ने कहा कि यह धर्मशाला नगर की ऐतिहासिक धरोहर है जिसका संरक्षण होना अत्यावश्यक है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/III/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदा दाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	108-DRM-MB-26-27 DATE 21.07.2026
कार्य का नाम	Replacement of 9.15m Steel Girders to PSC slab (14 spans) at Br. No. 928 UP (2 x 9.14m), 941 UP & DN (4x9.15m), 956UP (2 x 9.15m) & 968 UP (2x 9.15m) on BE-LKO Section of MB Division.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	14.08.2026 at 16:00 Hrs
अनुमानित लागत	1,91,92,389.75
धरोहर राशि	3,83,900.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	31.07.2026
आफर की वैधता	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	10 Months

नं. 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक 21.07.2026 2512/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सीरीज शुरू होने से एक दिन पहले जिम्बाब्वे ने घोषित की टीम, त्सिगा को मौका

हरारे, एजेंसी। भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम का एलान कर दिया गया है। दिलचस्प बात यह है कि दोनों टीमों के बीच पहला मैच गुरुवार को होगा और इससे एक दिन पहले ही टीम घोषित हुई है। 15 सदस्यीय टीम में पहली बार विकेटकीपर बल्लेबाज तफादजवा त्सिगा को शामिल किया गया है। इसके साथ ही ऑलराउंडर वेस्ली मधेवेरे और पेसर न्यूमैन न्यामहुरी की जिम्बाब्वे टी20 टीम में वापसी हुई है।

ये तीनों खिलाड़ी क्लाइव मडेंडे, टिनोटेंडा मापोसा और ताशिंगा मुसेकिवा की जगह टीम में आए हैं, जो हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ खेलने वाली टीम का हिस्सा थे। टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 23 जुलाई को खेला जाना है। वहीं, दूसरा मैच 25 जुलाई और अंतिम मैच 26 जुलाई को होगा। सीरीज के सभी मुकाबलों की मेजबानी हरारे का हरारे स्पोर्ट्स क्लब मैदान करेगा।

जिम्बाब्वे की ओर से 10 टेस्ट मैच खेल चुके त्सिगा ने अब तक सफेद गेंद की क्रिकेट में अपना डेब्यू नहीं किया है। बांग्लादेश सीरीज के दौरान टेस्ट और वनडे टीम में शामिल रहे मधेवेरे जुलाई 2025 के बाद पहली बार टी20 टीम में लौटे हैं। वह अब तक जिम्बाब्वे की ओर से कुल 79 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं। वहीं, न्यामहुरी चोट से उबरने के बाद टीम में वापसी कर रहे हैं। चोट के चलते वह बांग्लादेश के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं रहे थे। न्यामहुरी की जगह बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा लेने वाले तनाका चिवांगा टीम में अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहे हैं।

सिकंदर रजा करेंगे अगुआई

टीम की कमान सिकंदर रजा के हाथों में सौंपी गई है। बांग्लादेश के खिलाफ रजा की अगुआई में जिम्बाब्वे का प्रदर्शन शानदार रहा था। टीम ने एकमात्र टेस्ट और वनडे सीरीज को दमदार प्रदर्शन करते हुए अपने नाम किया था। हालांकि, टी20 सीरीज में जरूर जिम्बाब्वे को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। मेजबान टीम के सामने भारत की मुश्किल चुनौती होगी। हालांकि, टीम इंडिया को हाल ही में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा है। भारत और जिम्बाब्वे की आखिरी भिड़ंत टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 स्टेज में हुई थी, जहां भारत ने जिम्बाब्वे को 72 रनों से हराया था।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, तनाका चिवांगा, बेन करन, ब्रैड इवांस, वेस्ली मधेवेरे, तदीवानाशे मारुमानी (विकेटकीपर), वेलिंगटन मसाकाद्जा, ब्लेसिंग मुजारबानी, डियोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, न्यूमैन न्यामहुरी, मिल्टन शुम्बा, और तफादजवा त्सिगा (विकेटकीपर)।

लगातार तीसरा स्वर्ण जीतने पर टिकीं मीराबाई चानू की निगाहें, 48 किलो वर्ग में होगा आखिरी टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू ग्लासगों में 26 जुलाई को इतिहास रचने उत्तरेंगी। चानू लगातार तीसरे राष्ट्रमंडल खेल में स्वर्ण जीतने उतरेंगी, जो उनका लगातार चौथा पदक होगा। फिर भी उनकी निगाहें राष्ट्रमंडल से ज्यादा एशियाई खेलों पर हैं। बर्मिंघम में तैयारी कर रहीं मीरा ने अमर उजाला को बताया कि किसी भी बड़े खेल से पहले खिलाड़ी की कोशिश उच्चस्तरीय फॉर्म पाने की रहती है, लेकिन वह ग्लासगो में ज्यादा जोर नहीं लगाएंगी। उनकी 200 किलो वजन उठाने की भी कोशिश नहीं रहेगी। वह अपनी पीक 19 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों में हासिल करेगी, जहां उनकी कोशिश अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ (205 किलोग्राम वजन) को पीछे छोड़ने की होगी।

एशियाड में 49 किलो में खेलेंगी चानू

चानू ग्लासगों में 48 किलो में खेलेंगी, जबकि एशियाड में उन्हें 49 किलो में खेलना है। चानू को मालूम है कि यह 48 किलो में उनका अंतिम टूर्नामेंट है। यह भार अब ओलंपिक से बाहर हो गया है। मीरा ने इस भार में साल 2014 में रजत, 2018 में गोल्डकोस्ट में स्वर्ण और 49 किलो में बर्मिंधम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। चानू कहती हैं कि वह फुल लोड नहीं लेकर एशियाड के लिए अच्छी तरह रिकवरी करना चाहती हैं।

चाहकर भी नहीं बन पा रही थीं ध्वजवाहक

चानू पहली बार भारतीय दल की ध्वजवाहक बनने जा रही है। मीरा कहती हैं हैं कि उनका सपना था कि वह किसी खेल के उद्घाटन समारोह में तिरंगा उठाएं। हमेशा उद्घाटन के अगले दिन कंपटीशन रहने के चलते वह चाहकर भी ध्वजवाहक नहीं बन पाती थीं। इस बार कंपटीशन समारोह के बाद है, जिससे उन्हें यह मौका मिल गया। भारतीय टीम के कोच विजय शर्मा के मुताचिक, मीरा के सामने नाइजीरिया की रूथ असोडको और मलयेशिया की इरिन जेन हेनरी की चुनौती हैं। रूथ ने बीते वर्ष भारत में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में 167 किलो से रजत और इरिन ने 161 किलो से कांस्य जीता था। ऐसे में मीरा के सामने यहां बड़ी चुनौती नहीं है।

कुलदीप ने काउंटी क्लब यॉर्कशायर से किया करार

लीड्स। भारतीय टीम के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने बुधवार को इंग्लिश काउंटी क्लब यॉर्कशायर से करार किया है। कुलदीप मौजूदा सीजन में टीम के लिए आठ मुकाबले खेलेंगे। कुलदीप पिछले कुछ समय से भारतीय प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं बन रहे हैं। लेकिन अब वह काउंटी क्रिकेट में खेलेंगे। कुलदीप वनडे कप के पांच मैच खेलने के साथ ही तीन लाल गेंद क्रिकेट के मुकाबले खेलेंगे।

यॉर्कशायर क्लब ने अपनी वेबसाइट पर जानकारी देते हुए कहा, यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब को भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव को विदेशी खिलाड़ी के तौर पर साइन करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। 31 साल के कुलदीप वन डे क' के पांच मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे और इसके बाद सितंबर में काउंटी चैंपियनशिप के आखिरी चार में से तीन मैचों के लिए हेडिंग्ले लौटेंगे।

यॉर्कशायर से जुड़ने पर उत्सुक कुलदीप

यॉर्कशायर से जुड़ने पर कुलदीप ने कहा, यॉर्कशायर से जुड़कर मुझे बहुत खुशी हो रही है और मैं इस मौके के लिए आभारी हूं। यॉर्कशायर के गौरवशाली इतिहास वाले क्लब का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सचमुच सम्मान की बात होगी। मुझे हमेशा से इंग्लिश कंडिशन्स में खेलने की चुनौती पसंद रही है और मैनेजमेंट से बात करने के बाद मैं टीम से जुड़ने के लिए बहुत उत्साहित हो गया हूं।

अनुष्का के साथ वृंदावन पहुंचे कोहली, प्रेमानंद महाराज के किए दर्शन, कीचड़ में नंगे पैर चले

वृंदावन। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली बुधवार को पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ वृंदावन पहुंचे जहां दोनों ने प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली इससे पहले आईपीएल 2026 खत्म होने के बाद भी प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। मालूम हो कि आरसीबी ने इस सीजन खिताब अपने नाम किया था। 29 जुलाई को गुरू पूर्णिमा है और इससे पहले ही कोहली ने अनुष्का संग प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए हैं।

कोहली और अनुष्का को श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में नंगे पैर घूमते हुए देखा गया और उनके इस दौरे के वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। ऑनलाइन वायरल हो रहे कई वीडियो में इन दोनों को कड़ी सुरक्षा के बीच आश्रम पहुंचते हुए देखा जा सकता है। अनुष्का और विराट दोनों ने ही फेस मास्क पहनकर अपनी पहचान छिपाने की कोशिश की। आश्रम से बाहर निकलते समय विराट और अनुष्का ने हाथ में प्रसाद लिया हुआ था और वे कीचड़ भरे रास्तों पर नंगे पैर चल रहे थे।

प्रेमानंद महाराज के दर्शन लिए अनुष्का ने सिंपल सफेद सलवार-सूट पहना, जबकि विराट टी-शर्ट और पैंट में कैजुअल लुक में नजर आए। प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने से पहले, यह दोनों आश्रम परिसर में घूमते हुए दिखे। कोहली और अनुष्का की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

रोहित ने लगाई लंबी छलांग नंबर-1 की दौड़ हुई रोमांचक

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड दौरे पर लॉर्ड्स में खेली गई शानदार 138 रन की पारी का इनाम भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में मिला है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) द्वारा जारी साप्ताहिक रैंकिंग में रोहित 14 रेटिंग अंक की बढ़त के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं और अब वह शीर्ष स्थान की दौड़ में मजबूती से शामिल हो गए हैं।

डेरिल मिचेल का दबदबा

फिलहाल न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल 802 रेटिंग अंकों के साथ नंबर-1 बल्लेबाज बने हुए हैं। भारत के शुभमन गिल 801 अंकों के साथ महज एक अंक पीछे दूसरे स्थान पर हैं, जबकि विराट कोहली 767 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर कायम हैं। रोहित शर्मा 758 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

ऐतिहासिक शतक का मिला इनाम

रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक वनडे में 110 गेंदों पर 138 रन की विस्फोटक पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंने 17 चौके और पांच छक्के लगाए। खास बात यह रही कि वह लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने। भारत को 388 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करना था। हालांकि रोहित की शानदार पारी के बावजूद टीम इंडिया 27 रन से मुकाबला हार गई और तीन मैचों की सीरीज 1-2 से गंवा बैठी।

संन्यास की अटकलों पर रोहित का जवाब

सीरीज के निर्णायक मुकाबले से पहले रोहित शर्मा के वनडे भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन उन्होंने अपने बल्ले से सभी सवालों का जवाब दिया। मैच के बाद रोहित ने कहा, 'जब से मैंने डेब्यू किया है, तब से मेरे बारे में बातें होती रही हैं और जब तक मैं खेलूंगा, होती रहेंगी। मेरे लिए सबसे अहम बात मैदान पर प्रदर्शन करना और टीम की सफलता में योगदान देना है। अगर शोर नहीं होगा तो मजा भी नहीं आएगा।'

इंग्लैंड को भी हुआ फायदा

भारत-इंग्लैंड वनडे सीरीज के बाद इंग्लैंड के कई खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। जो रूट 249 रन बनाने के बाद चार स्थान की छलांग लगाकर आठवें नंबर पर पहुंच गए। बेन डकेट 11 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर पहुंच गए। जैकब बेथेल पांच स्थान की बढ़त के साथ 64वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे ऊपर अफगानिस्तान के राशिद खान पहले और पाकिस्तान के अबरार अहमद दूसरे स्थान पर हैं।

भारत के लिए सकारात्मक संकेत

ताजा आईसीसी वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में भारत के तीन बल्लेबाज शुभमन गिल, विराट कोहली और रोहित शर्मा टॉप-4 में शामिल हैं। इससे साफ है कि भारतीय बल्लेबाजी इस समय विश्व क्रिकेट में सबसे मजबूत इकाइयों में से एक बनी हुई है। खास तौर पर गिल और रोहित की हालिया फॉर्म ने नंबर-1 रैंकिंग की जंग को बेहद रोमांचक बना दिया है।

इंग्लैंड में नहीं चला बल्ला, जिम्बाब्वे के खिलाफ दम दिखाने के लिए तैयार वैभव, आत्मविश्वास बरकरार

हरारे। भारतीय बल्लेबाजी के उभरते युवा सितारे वैभव सूर्यवंशी ने स्वीकार किया है कि पिछले चार महीनों में उनके करियर में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। हालांकि, जिम्बाब्वे के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रही टी20 सीरीज से पहले वैभव का आत्मविश्वास पूरी तरह से बरकरार है। भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज होनी है जिसका पहला मैच गुरुवार को हरारे में खेला जाएगा।

टीम में बनाई जगह

15 वर्षीय सूर्यवंशी ने आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत के आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे की टी20 टीम में जगह बनाई थी। बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में दूसरे टी20 में उन्होंने अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। इसके साथ ही वह सचिन तेंदुलकर के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़कर भारत के लिए डेब्यू करने वाले सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बन गए।इसके बाद वैभव ने अगले तीन मैच खेले, लेकिन वह केवल मामूली स्कोर ही बना सके। पांचवें और अंतिम टी20 में संजू सैमसन की वापसी के बाद उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया। भारत यह सीरीज 0-4 से हार गया। महज तीन पारियों के बाद युवा सलामी बल्लेबाज को बाहर करने के टीम प्रबंधन के फैसले पर कई पूर्व क्रिकेटरों ने सवाल उठाए और आलोचना की। अंतिम मैच से बाहर किए जाने के बाद यह युवा खिलाड़ी भावुक नजर आया था। कम उम्र में ऐसी निराशाओं का सामना करने पर सूर्यवंशी ने बताया कि आसपास के लोगों से मिले समर्थन ने उन्हें आगे बढ़ने और ध्यान केंद्रित करने में मदद की।

प्रक्रिया का पालन जरूरी

सूर्यवंशी ने बीसीसीआई डॉट टीवी से कहा, हां, पिछले चार महीनों में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। यह क्रिकेट का हिस्सा है और ऐसा होता रहेगा। लेकिन मुझे प्रक्रिया का पालन करना है और टीम के लिए अपना 100 प्रतिशत देना है। यह एक स्वाभाविक बात है कि मुझे जिस मार्गदर्शन या अभ्यास की आवश्यकता है, कोच मुझे वह उपलब्ध करा रहे हैं। बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और आत्मविश्वास भी है।फरवरी में भारत के सफल अंडर-19 विश्व कप अभियान में सूर्यवंशी की अहम भूमिका रही थी। इसी मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में उन्होंने महज 80 गेंदों में 175 रनों की तूफानी पारी खेलकर भारत को चैंपियन बनाया था। इस मैदान की यादों को साझा करते हुए उन्होंने कहा, यह मेरे लिए एक बहुत ही यादगार मैदान है। सिर्फ चार महीने पहले हमने यहां अंडर-19 विश्व कप का फाइनल खेला और जीता था। भारत का प्रतिनिधित्व करना हर किसी का सपना होता है और यह एक बहुत खास पल है।